epaper.dehatsandesh.com

3 डोडा में युवा कैरियर परामर्श शिविर आयोजित किया

5 खेलो इंडिया पैरा गेम्स स्टैण्डर्ड को ऊपर उठा रहे हैं, हमें और अधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं: सिंह

8 गेंदा की खेती

मौसम जम्मू न्यूनतम 14 अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-71 | जम्मू तवी, वीरवार 20 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

समृद्ध लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस आवश्यक है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 19 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को नैतिक पत्रकारिता का आह्वान करते हुए कहा कि एक समृद्ध लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस आवश्यक है। राष्ट्रपति यहां आयोजित एक समारोह में 19वें रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। यदि नागरिकों को पूरी जानकारी नहीं होगी तो लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं अपना अर्थ खो देंगी। उन्होंने कहा कि मीडिया चौथा स्तंभ है और नागरिकों को अच्छी तरह से सूचित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रपति ने समाचार संगठनों से तथ्य-आधारित रिपोर्टिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने और शोध-समर्थित पत्रकारिता में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समाचार के लिए विचारों से भरा एक संपन्न न्यूज़रूम आवश्यक है। उन्होंने समाचार की गुणवत्ता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए एक शोध विंग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाचार एकत्रीकरण को पत्रकारिता की आत्मा बताते हुए इसे मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने मीडिया संगठनों से ज़मीन से रिपोर्टिंग की संस्कृति को प्रोत्साहित करने में अधिक संसाधन लगाने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि पहले समाचार पत्र और पत्रिकाएं गुणवत्तापूर्ण रिपोर्टिंग और विश्लेषण प्रस्तुत करना चाहते थे और पाठक उनकी प्रतियां खरीदते थे। पर्याप्त संख्या में पाठकों का मतलब विज्ञापनदाताओं के लिए एक अच्छा मंच था, जो लागतों में सब्सिडी देते थे। उन्होंने बताया कि हाल के दशकों में हालांकि, इस मॉडल को कई हाइब्रिड मॉडलों ने बदल दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता को पत्रकारिता की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव से मापा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्तपोषण के स्रोत सीमित संख्या में हैं, जो राज्य या कॉर्पोरेट संस्थाएं या पाठक हो सकते हैं। जबकि पहले दो के अपने फायदे और सीमाएं हैं, पाठक को केंद्र में रखने का तीसरा विकल्प सबसे बेहतर विकल्प है।

कंटेंट क्रिएशन के मुद्दे पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने भरोसा जताया कि हम जल्द ही उस स्थिति में पहुंच जाएंगे जब दुर्भावनापूर्ण कंटेंट को हटा दिया जाएगा और तथाकथित पोस्ट-ट्रुथ का चलन खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिशा में तकनीकी उपकरणों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों को इन नुकसानों के बारे में शिक्षित करने के लिए सक्रिय अभियानों के साथ इस प्रक्रिया को तेज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि डीप फेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अन्य दुरुपयोग के खतरे हमें सभी नागरिकों को समाचार के इस महत्वपूर्ण पहलू के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए मजबूर करते हैं। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को समाचार रिपोर्ट या विश्लेषण के किसी भी रूप में पूर्वाग्रह और एजेंडा को पहचानने के लिए शिक्षित किया जाना चाहिए।

विधानसभा में उठा राजौरी जिले के बडाल में रहस्यमयी मौतों का मुद्दा, सीबीआई जांच की मांग

जम्मू, 19 मार्च । जम्मू और कश्मीर विधानसभा में विधायकों ने बुधवार को राजौरी के बडाल में हुईं रहस्यमय मौतों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। सरकार ने सदन में बताया कि इलाके से एकत्र किए गए नमूनों में विभिन्न विषाक्त पदार्थ पाए गए हैं।

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बडाल के विधायक जावेद इकबाल चौधरी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में हुई रहस्यमयी तरीकों से हुईं मौतों की सीबीआई जांच की मांग उठाई। चौधरी ने दावा किया कि नमूनों में अलग-अलग विषाक्त पदार्थ पाए गए हैं। ऐसा लगता है कि उन्हें विषाक्त पदार्थ दिये गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ये मौतें जम्मू और कश्मीर में शांति को अस्थिर करने के उद्देश्य से एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं।उन्होंने कहा कि इन मौतों

को कुलगाम और कठुआ की घटनाओं से अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। यह शांति को अस्थिर करने का प्रयास प्रतीत होता है। उन्होंने इन मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच की मांग की। सुरनकोट के विधायक चौधरी मुहम्मद अकरम ने सीबीआई जांच की मांग का समर्थन किया। माकपा विधायक मुहम्मद यूसुफ तारिगामी ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन मौतों के पीछे अदृश्य हाथों का पर्दाफाश किया जाना चाहिए। यह विडंबना है कि इन मौतों का कारण अज्ञात है। आज जो हुआ वह कल कहीं भी हो सकता है। मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने कहा कि हम जो कर सकते थे किया है। गृह विभाग हमारे नियंत्रण में नहीं है। उन्होंने सदन को बताया कि गृह विभाग की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद आगे कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मौतें किसी बीमारी के कारण नहीं हुई हैं। लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि क्लीनिकल रिपोर्ट, लैब जांच और पर्यावरण नमूनों से पता चला है कि ये घटनाएं बैक्टीरिया या वायरल मूल की संक्रामक बीमारी के कारण नहीं हुई थीं। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ की रिपोर्ट के अनुसार एल्युमिनियम और कैडमियम के अंश पाए गए।

उल्लेखनीय है कि राजौरी जिले के बडाल गांव में रहस्यमयी तरीके से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पूरे इलाके में दहशत है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य किसी जांच में कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। सीएफएसएल चंडीगढ़ की रिपोर्ट में सभी 17 मृतकों के विसरा नमूनों में क्लोरफेनेपायर पाया गया।

इसरो ने कहा-आपका स्वागत है सुनीता विलियम्स, अंतरिक्ष अन्वेषण में आपकी विशेषज्ञता अतुलनीय

नई दिल्ली, 19 मार्च । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने नासा से संबद्ध भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की धरती पर सुरक्षित वापसी पर खुशी जताई है। इसरो ने आज सुबह एक्स पर लिखा आपका स्वागत है, सुनीता विलियम्स!

इसरो ने कहा कि एक विस्तारित मिशन के बाद आपकी सुरक्षित वापसी एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह नासा, स्पेसएक्स और संयुक्त राज्य अमिरेका की अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसरो ने लिखा, आपकी (सुनीता) दृढ़ता और समर्पण दुनिया भर के अंतरिक्ष उत्साही लोगों को प्रेरित करता रहेगा।

आईजीपी जम्मू ने सीमा चौकियों पर परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू 19 मार्च । पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जम्मू भीम सेन टूटी, आईपीएस ने कठुआ और सांबा जिलों के हीरानगर सेक्टर में विभिन्न सीमा चौकियों (बीओपी) का व्यापक दौरा किया जिसमें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों का आकलन किया गया।

इस दौरे में हीरानगर में बीपीपी सान्याल, चक्र, मावा, बब्बर नाला, शेरपुर और हरिया चक सहित प्रमुख स्थान शामिल थे। आईजीपी जम्मू ने इन महत्वपूर्ण चौकियों पर तैनात अधिकारियों और कर्मियों के साथ बातचीत की और सीमा पर किसी भी संभावित खतरे का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा उपायों और तैनाती रणनीतियों की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर के लिए जीआईएस आधारित भूमि बैंक बनाने के निर्देश दिए

जम्मू, 19 मार्च। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने विकास परियोजनाओं को समर्थन देने के लिए भूमि बैंक बनाने के लिए भूमि पार्सल की पहचान साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए दी गई वन भूमि के बदले प्रतिपूरक वनीकरण की सुविधा प्रदान करने की समीक्षा हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने संभागीय और जिला प्रशासन दोनों को अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर सभी सरकारी स्वामित्व वाली भूमि पार्सल की पहचान करने का निर्देश दिया। उन्होंने भूमि की पहचान के लिए एक व्यापक और व्यवस्थित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसी सभी भूमि को विकास उद्देश्यों और अन्य सामाजिक-आर्थिक कल्याण उपायों के लिए उनकी उपयुक्तता के आधार पर ठीक से वर्गीकृत किया जाए।

पहचान प्रक्रिया में सटीकता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए, मुख्य सचिव ने वन विभाग को राजस्व विभाग के समन्वय में पहचाने गए भूमि पार्सल की जीआईएस मैपिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास परियोजनाओं या प्रतिपूरक वनीकरण के लिए भूमि की उपयुक्तता को मान्य करने के लिए संयुक्त ग्राउंड-ट्रूथिंग का संचालन किया जाना चाहिए। भूमि वर्गीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भूमि बैंकों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाना चाहिए

आतंकवाद से निपटने की जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है भारत : रक्षा सचिव

नयी दिल्ली 19 मार्च । भारत ने बुधवार को स्पष्ट किया कि वह आतंकवाद से निपटने की जीरो टॉलरेंस की अपनी नीति पर अडिग है और इसके लिए क्षेत्रीय सहयोगियों से एकजुटता का आह्वान करता है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने आज यहां आतंकवाद से निपटने के लिए आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम) - प्लस और विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक में मुख्य भाषण के दौरान कहा, भारत आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता की नीति पर अडिग है और एक ऐसे दृष्टिकोण में विश्वास करता है जो मजबूत घरेलू तंत्र, बढ़ी हुई खुफिया जानकारी साझा करने और मजबूत क्षेत्रीय सहयोग को जोड़ता है।

रक्षा सचिव ने कहा कि आतंकवाद एक गतिशील और उभरती चुनौती बनी हुई है, जिसके खतरे तेजी से सीमाओं को पार कर रहे हैं और आतंकवाद के कारण होने वाले नुकसानों में वृद्धि हो रही है। आतंकवादी समूहों द्वारा उन्नत प्रौद्योगिकी, साइबर उपकरणों और मानव रहित प्रणालियों के उपयोग को रोकने के लिए एक सुसंगत, दूरदर्शी और कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र, भू-राजनीतिक और आर्थिक महत्व को देखते हुए, विशेष रूप से संक्रमणकालीन आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के प्रति संवेदनशील है, जिसके लिए एक व्यापक, अनुकूल और गहन सहयोगात्मक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

एनआईए का जम्मू-कश्मीर में 12 से अधिक स्थानों पर छापा

जम्मू, 19 मार्च । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आज सुबह जम्मू-कश्मीर में 12 से अधिक स्थानों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई पाकिस्तान से भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ, सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हाल ही में हुए हमलों की चल रही जांच से जुड़ी है। जम्मू के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी संगठनों के समर्थकों और कार्यकर्ताओं के ठिकानों पर भी दबिश दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से कई लोगों पर प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों की नई शाखाओं और सहयोगियों से जुड़े होने का संदेह है। एनआईए इस बात की जांच कर रही है कि यह आतंकवादी किस तरह से घुसपैठ को बढ़ावा दे रहे थे और भारतीय क्षेत्र के अंदर आतंकवादी गतिविधियों में मदद कर रहे थे। एनआईए ने 24 अक्टूबर, 2024 को मामला दर्ज किया था। यह मामला लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े सक्रिय आतंकवादियों की अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के जरिए घुसपैठ के बारे में खुफिया जानकारी पर आधारित था। जांच में पता चला है कि जम्मू क्षेत्र के गांवों में रहने वाले ओजीडब्ल्यू और अन्य आतंकी सहयोगी इन घुसपैठियों को रसद, आश्रय और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।

बांदीपोरा राजमार्ग पर आईईडी बरामद

बांदीपोरा, 19 मार्च। बांदीपोरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सनसेट पॉइंट से आगे मुख्य सड़क पर बुधवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया गया। आईईडी मिलने के तुरंत बाद बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुला लिया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग पर नियमित गश्त के दौरान सुरक्षाबलों ने आईईडी बरामद किया। उन्होंने बताया कि विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया है।

उचित मानक परीक्षण के बाद ही उर्वरक, कीटनाशकों को घाटी में जाने की अनुमतिः जावेद डार

जम्मू, 19 मार्च। कृषि उत्पादन मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि उर्वरकों की खेपों को मानक के रूप में नमूनों के परीक्षण के बाद ही घाटी में जाने की अनुमति दी जाती है। मंत्री ने हिलाल अकबर लोन द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। उन्होंने सदन को सूचित किया कि उधमपुर रैक में उर्वरकों के संबंध में उत्पादों का बैच-वार नमूना लेने, जम्मू में गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला से परीक्षण करवाने और नमूनों के मानक के रूप में परीक्षण के बाद ही खेपों को घाटी में जाने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने कहा कि लोअर मुंडा में एक चेक प्वाइंट है जहां खेपों के दस्तावेजों की जांच की जाती है और स्रोत का सत्यापन किया जाता है, साथ ही नमूना लेने और परीक्षण के लिए संबंधित जिला निरीक्षकों को सूचना देने के लिए गंतव्य भी बताया जाता है। उन्होंने कहा कि मानक के रूप में नमूनों ` परीक्षण के बाद ही बिक्री की अनुमति दी जाती है। इसके अलावा थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं के स्टॉक से यादृच्छिक रूप से नमूने लिए जाते हैं, जिनकी भी जांच की जाती है और यदि नमूने अमानक पाए जाते हैं, तो थोक विक्रेताओं/डीलरों/खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाया जाता है। मंत्री ने कहा कि किसानों को बिक्री से पहले कीटनाशकों की उचित जांच के लिए इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

गैर-स्थानीय लोगों को 2000 कनाल से अधिक भूमि आवंटित की गई है :सरकार

आशु कुमार

जम्मू, 19 मार्च। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में निवेश के लिए गैर-स्थानीय लोगों को 2000 कनाल से अधिक भूमि आवंटित की गई है। पीडीपी विधायक वहीद-उल-रहमान पारा द्वारा पिछले दो वर्षों के दौरान जम्मू-कश्मीर में निवेश के लिए गैर-स्थानीय लोगों द्वारा प्रदान की गई भूमि का विवरण मांगने वाले एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सरकार ने एक लिखित उत्तर में कहा कि 1 जनवरी, 2023 से 12 दिसंबर, 2024 की अवधि के दौरान पिछले दो वर्षों में सिडको औद्योगिक एस्टेट में गैर-निवासियों को 2093 कनाल भूमि आवंटित की गई है। विवरण साझा करते हुए सरकार ने कहा कि कठुआ में मेसर्स आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड को 275 कनाल भूमि, मेसर्स ग्रेव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट- एक) को 222 कनाल और मेसर्स ग्रेव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट- दो) को 424 कनाल भूमि आवंटित की गई है।

सरकार जल्द ही नई टोल नीति की घोषणा करेगी और उचित रियायत देगी: गडकरी

नई दिल्ली, 19 मार्च। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स के लिए नई नीति घोषित करेगी। इसका मकसद उपभोक्ताओं को उचित रियायत मुहैया कराना है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों का जवाब देते हुए गडकरी ने सड़क अवसंरचना परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए टोल टैक्स की आवश्यकता और उपयोगिता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार सड़क अवसंरचना के निर्माण पर बहुत अधिक खर्च कर रही है, इसलिए टोल टैक्स आवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने टोल प्लाजा के सम्बन्ध में मौजूदा चिंताओं और अपवादों को दूर करने के लिए नई नीतियों को सुनिश्चित करने की बात कही।

भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एआईसीटीई-वाणी योजना का दूसरा संस्करण लॉन्च

नई दिल्ली, 19 मार्च। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रमुख योजना, एआईसीटीई-वाणी (वाइब्रेंट एडवोकेसी फॉर एडवांसमेंट एंड नर्चरिंग ऑफ इंडियन लैंग्वेजेस) का दूसरा संस्करण लॉन्च किया है। योजना का उद्घाटन एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने किया। इस दौरान उन्होंने योजना दस्तावेज और इसके लिए एक डेडिकेटेड ऑनलाइन पोर्टल भी जारी किया।

इस दौरान प्रो. सीताराम ने कहा कि एआईसीटीई-वाणी योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करते हुए कि नवीनतम तकनीकी प्रगति स्थानीय भाषाओं में सुलभ हो, क्षेत्रीय भाषाओं में एक मजबूत ज्ञान आधार स्थापित करना है। क्षेत्रीय भाषाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन को प्रोत्साहित करते हुए यह पहल शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देगी। पहले संस्करण की सफलता को देखते हुए उन्होंने इस वर्ष 200 सम्मेलनों को 2-2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। इस बार सम्मेलन आयोजन के लिए क्षेत्रीय भाषाओं की संख्या 12 से बढ़कर 22 कर दी गई है। इसके साथ ही तकनीकी शिक्षा के जिन उभरते क्षेत्रों पर चर्चा की जानी है उनकी संख्या 16 कर दी गई है।

एआईसीटीई के उपाध्यक्ष डॉ. अभय जेरे ने शिक्षा में क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि क्रिटिकल थिंकिंग और समस्या-समाधान प्राथमिक फोकस होना चाहिए, चाहे जिस भी भाषा का इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने भविष्य के संदर्भ और शोध उद्देश्यों के लिए सभी सम्मेलनों का एक व्यापक संग्रह बनाने का भी सुझाव दिया।

एआईसीटीई-वाणी 2025 की मुख्य विशेषताएं-

वित्तीय सहायता- 200 सम्मेलनों में से प्रत्येक को 2 लाख रुपये मिलेंगे यानि सालाना 4 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

कार्यक्रम 2 से 3 दिन तक चलने चाहिए।

माहौर में 50 बिस्तरों वाले जीएंडबी छात्रावास का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है

जम्मू, 19 मार्च। जनजातीय कार्य मंत्री जावेद अहमद राणा ने विधानसभा में खुर्शीद अहमद द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि माहौर में 168.25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 50 बिस्तरों वाले एसटी छात्रावास का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

मंत्री ने सदन को बताया कि वर्ष 2009-10 में 96.13 लाख रुपये की लागत से कार्य शुरू किया गया था, जिसे वर्ष 2017-18 में संशोधित कर 168.25 लाख रुपये कर दिया गया और यह कार्य वर्ष 2018-19 तक जारी रहा। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान चारदीवारी और अन्य संबद्ध कार्यों जैसे शेष कार्य भी पूरे कर लिए गए हैं और इसमें 50 छात्रों के रहने की क्षमता है। हालांकि, मंत्री ने कहा कि चूंकि इमारत काफी समय से सुरक्षा बलों के कब्जे में है, इसलिए इसे उपयोग के लिए रहने योग्य बनाने के लिए कुछ और मरम्मत और नवीनीकरण की आवश्यकता है। भूमि मालिक को अभी तक कोई मुआवजा नहीं दिया गया है और देय मुआवजा राशि निर्धारित करने के लिए अधिग्रहण की कार्यवाही पहले ही शुरू हो चुकी है और इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि यूटी कैपेक्स बजट 2023-24 के तहत स्वीकृत 40.00 लाख रुपये की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है, जो कलेक्टर भूमि अधिग्रहण माहौर के पास उपलब्ध है।

सकीना इटू ने कुलगाम में हुई रहस्यमय मौतों की न्यायिक जांच की वकालत की

जम्मू, 19 मार्च। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई रहस्यमय मौतों की न्यायिक जांच की वकालत की।

जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने परिवार की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि अगर वे चाहते हैं कि मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए तो ऐसा होना चाहिए ताकि कोई संदेह न रहे।

पुलिस के अनुसार राजौरी निवासी मोहम्मद शौकत बजाड़ का शव कुलगाम के माह में वैशॉ नाले से बरामद किया गया जो काजीगुंड में रह रहा था। उसके भाई रियाज अहमद बजाड़ का शव भी गुरुवार को उसी इलाके से जल निकाय से बरामद किया

गया। शिकायत पर मंत्री सकीना इटू ने बताया कि मामले की समीक्षा के लिए एक उप-समिति गठित की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से कहा है कि छह महीने के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। जब उनसे राज्य का दर्जा बहाल करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह कोई दलील नहीं है बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का एक उचित दावा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग कुछ नया नहीं मांग रहे हैं। यह शुरू से ही हमारा रहा है। अगर जम्मू-कश्मीर भारत का मुकुट है तो हमें राज्य का दर्जा वापस मिलना चाहिए। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों की सामूहिक मांग है।

कूल लुक में दिखें स्टाइलिश

जलती-चुभती गर्मी में कूल लुक के साथ स्टाइलिश दिखने के लिए इन दिनों युवतियों में पटियाला सलवार और कुर्ती का फैशन जोरों पर है। गर्मी के इस मौसम में सूती कपड़े से बना यह परिधान सब तरह की एक्सेसरीज के साथ मेल खाता है।

क्यों पसंद पटियाला स्टाइल

युवतियों और किशोरियों (टीनएजर्स) में इस वक्त पटियाला सलवार के साथ कुर्ती, ट्यूनिक और शॉर्ट टॉप पहनने का क्रेज है। इससे वह मॉडर्न और ट्रेडीशनल लुक दोनों में ही स्टाइलिश नजर आती है। सेक्टर-22 में बुटीक संचालिका रश्मि का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में पटियाला सलवार काफी आरामदेह होती है। इसके साथ ही इसमें स्टाइल भी आसानी से मेंटेन हो जाता है। एक प्रिटेंड पटियाला सलवार एक रंग की कई कुर्तियों और टॉप के साथ मैच करके पहनी जा सकती है। वहीं एक रंग की पटियाला कई तरह के प्रिटेंड टॉप और कुर्ती के साथ चल जाती है। इस वजह से लड़किया इन दिनों पटियाला सलवार और कुर्ती पहनना पसंद कर रही हैं।

पटियाला एक स्टाइल अनेक

बीएड की छात्रा पल्लवी कहती हैं कि इस समर में ऐसा कपड़ा पहनना अच्छा लगता है, जिसकी आसानी से साज-संभाल की जा सके। खुली और सूती कपड़े से बनी पटियाला काफी सहूलियत देती है। इसके साथ कई प्रयोग भी किए जा सकते हैं। वेस्टर्न स्टाइल में चलना हो, तो इसके साथ ट्यूनिक या स्लीवलेस शॉर्ट टॉप टीम अप किया जा सकता है। ट्रेडीशनल दिखना हो, तो घुटने से ऊपर की कुर्ती पहनी जा सकती है। इसके साथ अपनी सुविधानुसार एक्सेसरीज और स्लीपर और नागरा शूज प्रयोग कर सकते हैं। एमबीए की छात्रा रोशनी बताती हैं कि स्थानीय बाजारों में पटियाला स्टाइल और कुर्ती किफायती दामों में मिल जाती है। लगभग तीन सौ रुपये में पटियाला सलवार और कुर्ती मिल जाती है। मल्टीकलर पटियाला सलवार के साथ प्लेन कलर की कोई भी कुर्ती और टॉप आसानी से पहना जा सकता है। इसके साथ स्टोल अलग लुक देता है।

स्थानीय बाजारों से शोरूम में पटियाला

सूती कपड़ा गर्मियों में शरीर को आराम देता है और इसमें थोड़ा स्टाइल आ जाए, तो कहना ही क्या। ऐसा स्टाइल पटियाला सलवार में देखने को मिल रहा है। स्थानीय बाजारों में पटियाला सलवार और कुर्ती की कीमत लड़कियों की पॉकेट की जद में है। अंब्रा और इंदिरा मॉर्केट में चार सौ रुपये में अपने मन के रंगों की पटियाला और कुर्ती लेने के लिए लड़कियों की भीड़ जमा रहती है। वहीं बड़े शोरूम में पाच सौ लेकर एक हजार रुपये में पटियाला सलवार और इसी रेंज में कुर्ती या ट्यूनिक लड़कियों को भा रहे हैं।

समर पार्टी लुक्स

गर्मियों का जिक्र आते ही हमें चिलचिलाती धूप, सनबर्न और पसीने की याद आती है और उलझन महसूस होने लगती है। ऐसे में किसी पार्टी में जाना हो तो समझ में नहीं आता कि कैसा मेकअप किया जाए जो लंबे समय तक टिका रहे और पार्टी का भरपूर आनंद भी उठाया जा सके। आपकी इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए सखी दे रही है 3 समर थीम पार्टी लुक्स। यहां पार्टी लुक के लिए तरीके बता रही हैं मेकअप आर्टिस्ट

चेहराः फेसवॉश से चेहरा साफ करने के बाद बर्फ को एक मलमल के कपड़े में लपेटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर पोंछकर मेल्ट प्रूफ फाउंडेशन ऊपर से नीचे की दिशा में लगाएं। उसके बाद ग्लो मिनरल ग्लो मॉइस्ट हाइड्रेशन मिस्ट लगाएं।

गाल : बेबी पिंक मिनरल पाउडर को ब्लशर की तरह इस्तेमाल करें।

आंखेंः पलकों पर पर्ली शेड का क्लिनिक क्विक आइज क्रीम शैडो लगाएं। बरौनियों पर बॉरज्वॉ वॉटरप्रूफ मैक्सी फ्रेंजमैक्सिमम लेंथ एंड वॉल्यूम मस्कारा लगाएं। निचली पलकों पर लाइट पर्पल कलर की लॉन्ग वेयर जेल आई पेंसिल से एक लाइन बनाएं।

होंठः नैचरल शेड वाला लोरियल का इन्फैलिएबल लिप ग्लॉस लगाएं।

चेहराः चेहरा साफ करने के बाद सनस्क्रीन युक्त लिक्विड फाउंडेशन लगाएं। फाउंडेशन से पहले आंखों के चारों ओर कंसीलर लगाएं।

आंखेंः वॉटरप्रूफ ट्रासपेरेंट मस्कारा का दो कोट लगाएं।

होंठः एसपीएफ युक्त पिंक या प्लम शेड का लिप ग्लॉस/बाम लगाएं।

चेहराः चेहरा साफ करने के बाद एसपीएफ युक्त मॉयस्चराइजर लगाएं। फिर मिरनल ग्लो शियर पाउडर से बेस बनाएं।

गाल : पीच/ब्रॉन्ज शेड का ब्लशर लगाएं।

आंखः पलकों पर गोल्डन डस्ट लगाएं। फिर गोल्डन ब्राउन क्रीम आई पेंसिल से आइलाइन बनाएं। लाइट ब्राउन ब्रो पेंसिल से आईब्रोज हाइलाइट करें। ब्राउन काजल पेंसिल लगाएं। वॉटरप्रूफ मैक्सिम लेंथ मस्कारा लगाएं।

होंठः लॉन्ग लासि्टंग पिंकिश शिमर लिप ग्लॉस लगाएं।

दुल्हन का चेहरा सुहाना लगता है..

शादी तो है जिंदगी का सबसे खूबसूरत पल। इसे लेकर तनाव कैसा.. अभी से करें अपनी देखरेख कुछ इस तरह कि खिल उठें संपूर्ण व्यक्तित्व..

- शादी को लेकर ज्यादा चिंतित न हों। तनावमुक्त रहना शुरू कीजिए।
- अच्छी सेहत के लिए भरपूर नींद लें। अच्छी नींद न सिर्फ सेहत के लिए, बल्कि स्किन के लिए भी लाभदायक होती है।
- अपने खानपान पर थोड़ा ध्यान दीजिए। सुबह नाश्ता करने के साथ-साथ एक गिलास केसरयुक्त दूध या जूस अवश्य लें। नाश्ते में पौष्टिक खाद्य पदार्थ ही लें। मैदा और जंकफूड से परहेज करें। दोपहर के भोजन में हरी सब्जियां, सलाद और दाल जरूर लें। रात को हल्का खाना ही खाएं।
- पानी खूब पिएं। दिनभर में कम से कम आठ-दस गिलास पानी अवश्य पिएं। इससे स्किन में निखार आता है।
- अगर किसी फिटनेस सेंटर जाना संभव न हो तो घर पर ही हल्के-फुल्के व्यायाम करें। चाहे रस्सी कूदें या बार-बार सीढ़ियां चढ़ें-उतरें। आप चाहें तो कमरे में गाना बजाकर थोड़ा-बहुत डांस भी कर सकती हैं।
- बालों की सप्ताह में दो-तीन दिन मालिश जरूर करें। मालिश करने के कुछ समय पश्चात किसी हर्बल या माइल्ड शैंपू से बाल धो लें।
- सुबह हो या शाम अच्छे प्रकार से दांतों की सफाई करें। अगर दांतों में किसी प्रकार की कोई दिक्कत है तो दंतरोग विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य करें। यह तो आपने भी सुना होगा कि मोती से चमकते दांत सबका मन मोह लेते हैं। दांतों के साथ-साथ जीभ की भी अच्छे से प्रतिदिन सफाई करें।
- चेहरे के साथ ही हाथों-पैरों और गर्दन, पेट व पीठ की भी देखभाल जरूरी है। कोई भी घरेलू उबटन बनाकर पूरे शरीर की सफाई करें। जितनी चमक चेहरे पर जरूरी है, उतनी है शरीर के अन्य हिस्सों पर भी।
- चेहरे की सफाई करने के बाद किसी अच्छी क्वालिटी की क्रीम से मसाज करें। इसके लिए आप चाहें तो किसी योग्य ब्यूटीशियन से परामर्श कर सकती हैं। ध्यान रहे कि चेहरे पर अनावश्यक प्रयोग न करें। ऐसा न हो कि रंग निखारने के चक्कर में चेहरा ही खराब हो जाए।
- रात में हाथों की किसी अच्छी क्रीम से मालिश जरूर करें। नाखूनों की भी नियमित सफाई करती रहें।
- पैर अगर खूबसूरत हों तो कहना ही क्या..। सुबह या शाम को गुनगुने पानी में आधा नींबू और थोड़ा सा गुलाबजल डालकर पैरों को इस पानी से धीरे-धीरे रुई की सहायता से रगड़िए। बाद में कोई हर्बल क्रीम भी लगा सकती हैं।
- आप चाहें तो सप्ताह में एक-दो बार मैनीक्योर व पैडीक्योर कर सकती हैं।
- कोहनी, घुटनों और एड़ियों की भी देखभाल करें। इसके लिए इन पर नींबू रगड़ें या मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल मिलाकर सफाई कर सकती हैं।
- त्वचा में निखार लाने के लिए सप्ताह में एक बार पपीते या केले को अच्छी तरह मसलकर इसमें चंदन का चूरा और गुलाबजल मिलाकर मसाज करें।
- सादा स्नान करने के बजाय पानी में गुलाब की पत्तियां डालकर थोड़ी देर के लिए रख दें। फिर इस पानी से स्नान करें। आप चाहें तो बेला या चमेली के फूल भी प्रयोग कर सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

भाजपा कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनावों को लेकर तैयार रहने को कहा

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। बुधवार को पंचायत सुंगल लोअर बी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल सोहल-सुंगल की नई मंडल टीम का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शमशेर दास ने की, जबकि पूर्व सरपंच रामपाल शर्मा और पूर्व सरपंच अंजु शर्मा ने आयोजन के सफल संचालन में विशेष योगदान दिया। इस मौके पर विधायक मोहन लाल मुख्यातिथि के रूप में मौजूद थे। वरिष्ठ नेता जुगल डोगरा, सुरिंदर सिंह, गणेश शर्मा, पूर्व सरपंच महेश चंद्र, पूर्व सरपंच अश्वनी शर्मा, पूर्व सरपंच कुलदीप सिंह, पूर्व सरपंच जगदीश, पूर्व सरपंच प्रभदयाल, संजय शर्मा और सुमन सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। विधायक मोहन लाल भगत ने नई गठित टीम को सम्मानित करते हुए कहा कि यह टीम क्षेत्र में पार्टी की रीढ़ बनेगी और संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से पंचायत चुनावों में जुटने और पार्टी के विचारों को जनता तक ले जाने का आह्वान किया। मोहन लाल ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत क्षेत्र में कई करोड़ रुपये की योजनाएं शुरू करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए वह प्रतिबद्ध है और पार्टी कार्यकर्ताओं से मोदी सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान मोहन लाल ने अध्यक्ष शमशेर दास, उपाध्यक्ष किशोरी लाल, सुदेश कुमार, शीला कुमारी व सरदारी लाल, महासचिव कैप्टन शाम लाल व जगदीश सिंह, सचिव सोनिया शर्मा, बाबू राम, अरुणदीप व अमित शर्मा, मीडिया सचिव अंचल सिंह, कोषाध्यक्ष महेश चंद्र व कार्यकारी सदस्य आशा रानी, तिलक राज, परदीप कुमार, सुखदेव शर्मा, सतपाल, रामपाल, जगदीश राज, अशोक सिंह, मदन लाल, सतवीर कौर, राधा देवी, ज्योति देवी, इंदरजीत सिंह, सोनिया शर्मा, देव राज, जगदीश सिंह, प्रभदयाल, अनीता देवी, स्वर्णा देवी, नीलू देवी, सुनीता देवी, अंजू देवी, बंदू शर्मा, सुदेश कुमार, अंजली देवी, केवल कुमार, बलवंत राज, वेद पाल, कैलाश कुमार, जीता राम, कुलवंत राज को सम्मानित किया।

डोडा में युवा कैरियर परामर्श शिविर आयोजित किया

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। डोडा के दूरदराज के क्षेत्रों के युवाओं का मार्गदर्शन करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए भारतीय सेना ने भारत के एचएसएस मारवाड़ में युवा कैरियर परामर्श सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों में करियर के अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करना था – सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में – साथ ही नागरिक क्षेत्र में भी। इस कार्यक्रम में कुल 50 लड़के, 40 लड़कियाँ और 15 शिक्षक शामिल हुए जहाँ सेना के प्रतिनिधियों ने रोजगार की संभावनाओं और करियर के रास्तों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। यह सत्र संवादात्मक था जिसमें छात्र उत्साहपूर्वक चर्चा में शामिल हुए और उनके प्रश्नों का संतोषजनक ढंग से समाधान किया गया। सेना ने युवाओं का मार्गदर्शन करने और उन्हें समर्थन देने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सत्र ने छात्रों को अत्यधिक प्रेरित किया जिससे उन्हें सूचित करियर विकल्प बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान प्राप्त हुआ।

एनसीसी कैडेट्स को हफ्त चिनार में पहली बार फायरिंग अभ्यास का मौका मिला

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में कश्मीर क्षेत्र के एनसीसी कैडेट्स ने आखिरकार फायरिंग अभ्यास के लिए अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित आकांक्षा को साकार किया जिसका श्रेय मेजर जनरल अनुपिंदर बेवली, वीएसएम, अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय जम्मू, कश्मीर और लद्दाख को जाता है। 31 सब एरिया और चिनार कोर की अनुमति से हफ्त चिनार शॉर्ट रेंज में दो दिवसीय फायरिंग अभ्यास आयोजित किया गया। 1 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी और 1 जम्मू-कश्मीर नौसेना इकाई के लगभग 120 कैडेट्स जिनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल थे ने सेना के प्रशिक्षकों की विशेषज्ञ देखरेख में प्रशिक्षण में भाग लिया। उन्हें अपने निशानेबाजी कौशल को निखारने के लिए लक्ष्य साधना, सांस पर नियंत्रण और ट्रिगर संचालन जैसी आवश्यक शूटिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन एनसीसी ग्रुप श्रीनगर द्वारा एनसीसी बटालियनों और संस्थानों के बीच सहज समन्वय के साथ सावधानीपूर्वक किया गया। ग्रुप कमांडर ने रेंज का दौरा किया, कैडेटों के साथ बातचीत की और प्रभावी और सुरक्षित प्रशिक्षण अनुभव के लिए रेंज सुरक्षा प्रोटोकॉल के महत्व पर जोर दिया। मेजर जनरल अनुपिंदर बेवली ने आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को साकार करने के लिए जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 31 सब एरिया और चिनार कोर को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह अवसर कश्मीर के युवाओं के कौशल को सशक्त बनाने और विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जेकेसीसीसी ने फंड वितरण में भेदभाव का आरोप लगाया, लंबित बकाया राशि के भुगतान की मांग की

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर ठेकेदार समन्वय समिति (जेकेसीसीसी) ने लंबित देनदारियों का भुगतान न किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है जिसमें जम्मू और कश्मीर के ठेकेदारों के बीच फंड वितरण में भेदभाव का आरोप लगाया गया है।

जेकेसीसीसी के अध्यक्ष गुलाम जिलानी पुरजा ने खुलासा किया कि जम्मू के बकाया का अधिकांश भुगतान हो चुका है लेकिन कश्मीरी ठेकेदारों को अभी भी 250 करोड़ रूपये के भुगतान का इंतजार है। उन्होंने सरकार से लंबे समय से लंबित देनदारियों का भुगतान करने का आग्रह किया जिनमें से कुछ 2014 से लंबित हैं और ठेकेदारों के बीच वित्तीय संकट की चेतावनी दी।

पुरजा ने चौथी तिमाही के बजट को जारी करने में देरी और लोक निर्माण विभाग में रिक्त पदों की भी आलोचना की और उचित फंड आवंटन सुनिश्चित करने और परियोजना में व्यवधान को रोकने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के धरती पर सुरक्षित लौटने पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। आर.एल. कैथ, हंस राज लोरिया, कृष्ण लाल, जगदीश राज, गिरधारी लाल डोगरा और कई अन्य सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर नौ महीने से अधिक समय बिताने के बाद सुरक्षित रूप से धरती पर लौटने पर अपनी खुशी और राहत व्यक्त की। कार्यकर्ताओं ने उनकी सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना की और उनके सफल मिशन का जश्न मनाया।

आर.एल. कैथ ने विलियम्स के भारत से गहरे जुड़ाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वह अंतरिक्ष में अपने साथ गणेश की मूर्ति लेकर गई थीं और अपने पूरे मिशन के दौरान उसे अपने पास रखा। उन्होंने अंतरिक्ष से कुंभ मेले की उनकी शानदार तस्वीर को भारतीय संस्कृति के प्रति उनके लगाव का प्रमाण बताया। कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से कहा हमें विलियम्स पर बहुत गर्व है, जो लगातार महान उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

अपराधी बलविंदर कुमार पांडे के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। पुलिस स्टेशन रणबीर सिंह पुरा जम्मू द्वारा एक कट्टर अपराधी को कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया है।कट्टर अपराधी की पहचान बलविंदर कुमार उर्फ पांडे पुत्र दया राम निवासी चकरोही तहसील सुचेतगढ़ जिला जम्मू के रूप में हुई है उस पर संगठित तरीके से आपराधिक गतिविधियों में लगातार शामिल होने और इस प्रकार सार्वजनिक शांति और व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करने के लिए सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जम्मू जिले के विभिन्न पुलिस स्टेशनों द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर के बावजूद आरोपी ने आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने से परहेज करने के अपने व्यवहार में सुधार नहीं किया। इस कट्टर अपराधी को पुलिस ने कई मामलों में गिरफ्तार किया था लेकिन ठोस कानून उसे काबू में करने के लिए पर्याप्त नहीं था और उसने अपनी आपराधिक गतिविधियां जारी रखीं जिससे बड़े पैमाने पर जनता के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। वह ऐसी गतिविधियों में शामिल था जिससे सार्वजनिक व्यवस्था और शांति भंग होने की संभावना थी खासकर जम्मू जिले के आर.एस. पुरा इलाके में। यह विषय विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई एफआईआर में शामिल है। उपरोक्त आरोपियों की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए क्योंकि ये आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के समान हैं इसलिए जिला मजिस्ट्रेट जम्मू के आदेश से आरोपी को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लेने का आदेश दिया गया था।

गैर-जमानती वारंट पर बोले विधायक मेहराज मलिक- यह एक निजी मामला है

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। डोडा विधानसभा क्षेत्र से अपनी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक ने जम्मू की एक कोर्ट ने उनके खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट पर कहा है कि यह एक निजी मामला है और वह विधानसभा में अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। दरअसल, जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट ने डोडा क्षेत्र से अपनी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं। इस मामले पर विधायक मेहराज मलिक ने कहा कि मैं एक विधायक हूँ, आप मुझसे पूछ सकते हैं कि विधानसभा में क्या चल रहा है। मेरे खिलाफ जो गैर-जमानती वारंट जारी हुआ है, वह एक निजी मामला है। आप इसके अलावा किसी और चीज के बारे में पूछ सकते हैं, मैं उस मामले पर बोलना नहीं चाहता। विधायक मलिक ने कहा कि जिन्होंने मुझे राजनीति सिखाई, वे अब मुझे कानून भी सिखाएंगे, मुझे नहीं पता कि वारंट क्या है। मैं लोगों के मुद्दों को लेकर विधानसभा में व्यस्त हूं, यह एक गैर-जमानती वारंट है। मुझे गिरफ्तार किया जा सकता है और जमानत मिल सकती है। इससे ज्यादा क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी को नहीं मारा है, कोई छोटा-मोटा मामला हो सकता है, मुझे इसके बारे में नहीं पता।

कठुआ पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया, ट्रैक्टर और मिक्सचर मशीन बरामद, दो चोर गिरफ्तार

कठुआ 19 मार्च (हि.स.)। जिले में सक्रिय वाहन चोरों के खिलाफ जारी अभियान के क्रम में एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की देखरेख में कठुआ पुलिस ने 01 ट्रैक्टर और मिक्सचर मशीन बरामद कर 02 चोरों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता जगदीश सिंह पुत्र चग्गर सिंह निवासी सेसवां मोड़ टांडा ने पुलिस पोस्ट चड़वाल में अपने ट्रैक्टर की चोरी के संबंध में की लिखित शिकायत दी। जिसके लिए राजबाग थाना में एफआईआर 53/2025 यू/एस 303 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। एसडीपीओ बॉर्डर और एसएचओ पुलिस स्टेशन राजबाग के मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस चैकी चड़वाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गहन जांच के बाद दो संदिग्धों शौकत अली पुत्र नजीर दीन और मोहम्मद अली पुत्र नवाब दीन दोनों निवासी घाट्टी को गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर आरोपियों ने उक्त चोरी के मामले में अपनी संलिप्तता कबूल की और चोरी किए गए ट्रैक्टर का स्थान बताया। इसके अलावा उनके कब्जे से एक मिक्सचर मशीन भी बरामद की गई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इसके बाद बरामद वाहन को जब्त कर लिया गया और दो आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

मोदी की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों के घर-घर तक पहुंचाएं

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा सीए ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों के दरवाजे तक ले जाने का आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी लाभ उठा सके। वह जम्मू उत्तरी जिले के अंतर्गत आने वाले जानीपुर मंडल की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में जिला अध्यक्ष नंद किशोर जानीपुर मंडल अध्यक्ष साहिल गुप्ता ने भी संबोधित किया. सत शर्मा सीए ने केंद्र सरकार के प्रमुख कल्याण कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने समाज के गरीबों, वंचितों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से स्वास्थ्य देखभाल, आवास, वित्तीय समावेशन, उद्यमिता और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के बारे में शिक्षित करके सरकार और लोगों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, जन धन योजना और मुद्रा योजना जैसी कई परिवर्तनकारी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं।

डॉ. नरिंदर सिंह ने पक्षपातपूर्ण आयु छूट प्रथा को समाप्त करने, इसे एक समान कानून के साथ तय करने का आह्वान किया

आरएस पूरा, 19 मार्च (हि.स.)। डॉ. नरिंदर सिंह विधायक आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ने जम्मू-कश्मीर विधान सभा में विश्वविद्यालयों में उम्र के मुद्दे पर उत्पीड़न और शोषण के बारे में आगाह किया चयनित उम्र में छूट को हटाकर और स्थिर नियम के तहत एक समान उम्र तय करके दोष को ठीक किया। डॉ. नरिंदर सिंह ने जोर देकर कहा कि आयु निर्धारण का विषय राज्य का विषय है। उन्होंने कहा कि वेतन आयोग कर्मचारियों के लिए उम्र के मामले में छूट देता है कि हर राज्य को इस मुद्दे पर अपने हिसाब से निर्णय लेने की आजादी है. उन्होंने जम्मू-

कश्मीर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अलग-अलग सेवानिवृत्ति आयु का उदाहरण दिया। डॉ. नरिंदर सिंह ने कहा कि सशर्त आयु सीमा 62 से बढ़ाकर 65 वर्ष करना पूर्वाग्रह को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि या तो इसे सीधे 65 साल तय कर दिया जाये। उन्होंने कहा कि कुलपति उत्पीडन करते हैं हालांकि समिति गठित है लेकिन मामले का प्रतिनिधित्व कुलपति ही करते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि अच्छे प्रोफाइल वाले कुछ विश्वविद्यालय कर्मचारियों को आयु में छूट नहीं दी गई लेकिन अन्य पर विचार किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जिन कुछ लोगों को शिक्षण पदों के लिए विस्तार दिया गया था उन्हें सही व्यक्ति के साथ अन्याय करते हुए सचिवीय पद दिया जा रहा है और पक्षपातपूर्ण निर्णय के कारण शिक्षण पद को भी नुकसान हो रहा है।

सज्जाद लोन ने पुलिस सत्यापन प्रक्रिया पर सवाल उठाए

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। मौजूदा सत्यापन प्रक्रियाओं की आलोचना करते हुए पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर सरकार से जम्मू-कश्मीर में केंद्रीय शासन के दौरान बर्खास्त कर्मचारियों पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले विभागों के अनुदान के दौरान विधानसभा में बोलते हुए लोन ने कहा कि मौजूदा पुलिस सत्यापन प्रक्रिया को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं सत्यापन फॉर्म में इस तरह के सवाल देखकर हैरान रह गया जैसे कि आप पिछले पांच सालों में कहां गए थे

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन, बसोहली ने मल्हार टीम को 10 विकेट से हराया

कठुआ 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने बुधवार को पुलिस स्टेशन बिलावर के भड्डू ग्राउंड चैगान क्षेत्र में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत नशा मुक्त भारत अभियान थीम पर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच का उद्घाटन एसपी ऑपरेशन अपर बिलावर उमर इकबाल ने किया, उनके साथ एसडीपीओ बिलावर नीरज परिहार,एसएचओ पुलिस स्टेशन बिलावर जहीर मन्हास और डीडीसी बिलावर बिक्रम सिंह मौजूद रहे। उद्घाटन मैच टूर्नामेंट के पहले दिन सुबह के सत्र में डेयर डेविल मल्हार बनाम मास्टर 11 बसोहली टीम के बीच खेला गया जिसमें डेयर डेविल मल्हार टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 63 रन बनाए। 64 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मास्टर 11 बसोहली टीम ने आसानी से लक्ष्य का पीछा किया और यह मैच 10 विकेट से जीत लिया जिसमें रशपॉल को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया जिसमें उन्होंने 04 महत्वपूर्ण विकेट लिए।

गैर-स्थानीय लोगों को 2000 कनाल से अधिक भूमि आवंटित की गई है : सरकार

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में निवेश के लिए गैर-स्थानीय लोगों को 2000 कनाल से अधिक भूमि आवंटित की गई है। पीडीपी विधायक वहीद-उल-रहमान पारा द्वारा पिछले दो वर्षों के दौरान जम्मू-कश्मीर में निवेश के लिए गैर-स्थानीय लोगों द्वारा प्रदान की गई भूमि का विवरण मांगने वाले एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सरकार ने एक लिखित उत्तर में कहा कि 1 जनवरी, 2023 से 12 दिसंबर, 2024 की अवधि के दौरान पिछले दो वर्षों में सिडको औद्योगिक एस्टेट में गैर-निवासियों को 2093 कनाल भूमि आवंटित की गई है। विवरण साझा करते हुए सरकार ने कहा कि कठुआ में मेसर्स आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड को 275 कनाल भूमि, मेसर्स ग्रेव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट- एक) को 222 कनाल और मेसर्स ग्रेव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट- दो) को 424 कनाल भूमि आवंटित की गई है। भागथली-एक, भागथली-दो में मेसर्स एडवांस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड को 201 कनाल, मेसर्स ग्रीनक्रेस्ट अलू फोइल्स प्राइवेट लिमिटेड को 201 कनाल, मेसर्स हल्दीराम स्नैक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को 201 कनाल, मेसर्स सिंटेक्स एडवांस प्लास्टिक लिमिटेड को 209 कनाल और मेसर्स सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड को 206 कनाल जमीन आवंटित की गई है। इस बीच श्रीनगर में मेडिसिटी सेम्पोरस (जीआर) में मेसर्स मेग्ना वेव्स बिल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड (ईएमएआर ग्रुप-यूएई) को 30 कनाल और मेसर्स मेग्ना वेव्स बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड (ईएमएआर ग्रुप यूएई) को 100 कनाल जमीन आवंटित की गई है। प्रदर्शनी ग्राउंड जम्मू में 24 कनाल भूमि मेसर्स मैग्ना वेव्स बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित की गई है।

मशरूम उत्पादकों के शैक्षणिक दौरे को दिखाई हरी झंडी

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। विधायक चनैनी बलवंत सिंह मनकोटिया ने होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत मशरूम उत्पादकों के एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक दौरे को हरी झंडी दिखाकर स्कॉस्ट जम्मू के लिए रवाना किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के मशरूम उत्पादकों को उन्नत कृषि तकनीकों से परिचित कराना और उनकी उद्यमशीलता क्षमता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर विधायक मनकोटिया ने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीकों को अपनाने से किसानों की आय में वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन एक तेजी से उभरता हुआ कृषि व्यवसाय है, जिसमें कम निवेश में अधिक लाभ की संभावना है।

विधायक ने सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यधिक लाभकारी सिद्ध होंगे। उन्होंने मशरूम उत्पादकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे नए तरीकों को अपनाकर अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाएं और आर्थिक रूप से सशक्त बनें।

सुरिंदर भगत के नेतृत्व में शहीद भगत अमरनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। शहीद भगत अमरनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा चंडीगढ़ के एससी मोर्चा के प्रभारी सुरिंदर भगत के नेतृत्व में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। एडवोकेट अनुकूल भगत सामाजिक कार्यकर्ता, गुरमीत दत्ता मीडिया चेयरपर्सन रशपाल दिगरा भाजपा नेता, राजू शर्मा भाजपा नेता भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। श्रद्धा के प्रतीक के रूप में प्रतिनिधिमंडल ने एलजी को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और शहीद भगत अमरनाथ जी की एक पुस्तक भेंट की जो अनिल भारती जी द्वारा लिखी गई है। सुरिंदर भगत ने पुस्तक के बारे में बात की कि कैसे शहीद भगत अमरनाथ जी ने दलितों के उत्थान और जम्मू-कश्मीर में आरक्षण के लिए अपने संघर्ष के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। सुरिंदर भगत ने अन्य लोगों के साथ भगत अमरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष की ओर से एलजी मनोज सिन्हा को भारत रतन के लिए शहीद भगत अमरनाथ जी का नाम और उनके जीवन की उपलब्धियों और बलिदानों को आम जनता के कल्याण और उत्थान के लिए उनके बलिदान को देखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 में शामिल करने की सिफारिश के लिए एक पत्र सौंपा। सुरिंदर भगत ने कहा कि भगत अमरनाथ जी 1970 के दौरान जम्मू आए और 21 मई को सचिवालय नगर पालिका पार्क के सामने आमरण अनशन किया और 1 जून 1970 तक आमरण अनशन किया 1 जून को उन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR

OFFICE OF THE ASSISTANT DIRECTOR GOVT. SHEEP BREEDING FARM PANTHAL

Email Id: adpanthal@gmail.com

AUCTION NOTICE

It is hereby notified to the general public and all interested persons that, in accordance with the sanction granted by the Director, Sheep Husbandry Department, Jammu vide letter no. DSHJ/Tech/13/2024-25/14957-59 dated 07-03-2025, the public auction of Government Animals from the Sheep Breeding Farm, Panthal, originally scheduled on 15-03-2025 at 11:00 AM at the Kartholi Complex, has now again been fixed on 20-03-2025 at 11:00 AM at same venue.

Terms and Conditions:

1. Only individuals aged 18 years or above are permitted to participate in the auction.
2. Eligible bidders must deposit a security amount of Rs.20,000/- on the spot as a prerequisite for participation in the auction process.
3. The highest bidder is required to pay the bid amount in full within half an hour of the auction's conclusion and must ensure the timely transportation of all the auctioned animals.

No:AD/SBFP/Tech/2024-25/3186-95
Dtd:18-3-2025

Sd/-
(Dr. Deepanjali Verma)
Assistant Director
Govt. Sheep Breeding Farm
Panthal

DIP/J-11211/24
Dtd:19-3-2025

संपादकीय

वैष्णो देवी मंदिर में सुरक्षा चूक

यद्यपि लोग, विशेष रूप से माता वैष्णो देवी के पवित्र गुफा मंदिर में आने वाले तीर्थयात्री दृढ़ता से मानते हैं कि इस पवित्र धार्मिक स्थल में सुरक्षा बंदोबस्त पूरी तरह से पुख्ता है, लेकिन हाल ही में एक महिला द्वारा भवन क्षेत्र में लोडेड हथियार ले जाने की घटना ने इस स्थान की सुरक्षा की विश्वसनीयता पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस तरह की घटनाओं ने इस पवित्र मंदिर की पवित्रता और सुरक्षा की रक्षा के लिए लगाए गए बहुस्तरीय सुरक्षा तंत्र की दक्षता पर गंभीर संदेह पैदा किया है, जहां साल भर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में उसके पास से लोडेड पिस्तौल बरामद होने के बाद दिल्ली की एक महिला तीर्थयात्री को गिरफ्तार किया गया। महिला, जिसने खुद को एक सेवानिवृत्त पुलिस कांस्टेबल बताया था, को 14-15 मार्च की रात को भवन (गर्भगृह) के पास एक चौकी पर हथियार और छह राउंड के साथ रोका गया। यह चौंकाने वाला खुलासा सुरक्षा तंत्र की बड़ी खामियों को उजागर करता है, क्योंकि इस अंतिम चेकपॉइंट से पहले कई चेकपोस्ट हैं, जहां भक्तों की गहन जांच की जाती है, जिससे भवन क्षेत्र तक किसी के पास हथियार ले जाने की कोई गुंजाइश नहीं बचती। यह तथ्य कि यह महिला इन सभी चेकपॉइंट्स को बिना पकड़े जाने में कामयाब रही, चिंताजनक है और सुरक्षा उपायों की दक्षता पर गंभीर चिंता जताता है।

हैरानी की बात यह है कि इसी तरह के एक मामले में, भवन के पास उत्तर प्रदेश के एक तीर्थयात्री के बैग में दो कारतूस पाए जाने के बाद उस पर मामला दर्ज किया गया था। यह एक बेहद गंभीर मुद्दा है, जो मौजूदा चेकिंग एसओपी में बड़ी खामियों को उजागर करता है, क्योंकि सामान्य परिस्थितियों में, इन दोनों तीर्थयात्रियों को पहले चेक नाका पर ही पकड़ लिया जाना चाहिए था। आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद बरामद करना भक्तों की जांच के लिए तैनात सुरक्षा कर्मियों की पहली और सबसे बड़ी प्राथमिकता है, और अगर यह प्रभावी ढंग से नहीं किया गया, तो पवित्र गुफा मंदिर के रास्ते में कई नाके स्थापित करने का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। किसी भी अप्रिय घटना के होने से पहले आत्मनिरीक्षण करना और सुधारात्मक उपाय करना जरूरी है।

बेशक, भवन में तैनात सुरक्षाकर्मी अंतिम जांच बिंदु पर इन मामलों का पता लगाने में अपनी सतर्कता और तत्परता के लिए प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि पिछले नाकों पर दिखाई गई ढिलाई, जहां इन खतरनाक वस्तुओं का पता सबसे पहले लग जाना चाहिए था। इन चौकियों पर तैनात संबंधित पुलिसकर्मियों को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर प्रतिबंधित वस्तुओं के प्रवेश को रोकने में अपनी विफलता के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यदि आरोपी व्यक्तियों के मन में कोई नापाक इरादा होता, तो इन महत्वपूर्ण मोड़ों पर सुरक्षा बलों द्वारा दिखाई गई लापरवाही उन्हें अपनी दुर्भावनापूर्ण योजनाओं को अंजाम देने का भरपूर मौका देती। इन घटनाओं को अत्यंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए, और इस प्रतिष्ठित मंदिर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को ऐसी खामियों को दूर करने के लिए तुरंत एसओपी में सुधार और उन्नयन करना चाहिए। इस संबंध में कोई भी लापरवाही भविष्य में विनाशकारी साबित हो सकती है, क्योंकि राष्ट्र-विरोधी या असामाजिक तत्व इन स्पष्ट सुरक्षा खामियों का फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं। इस पवित्र मंदिर की पवित्रता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए एक पूर्ण सुरक्षा तंत्र समय की मांग है।

सुनहरा लम्हा : धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्स

-डॉ. सत्यवान सौरभ

नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक आईएसएस पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जिससे सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया जा सका। वापसी के बाद दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद एक सामान्य प्रक्रिया है।

यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। सुनीता विलियम्स व उनके सहयोगी की वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी।

सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनका भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। उनके पिता भारतीय मूल के हैं और उन्होंने कई बार भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान की बढ़ती उपलब्धियों के बीच सुनीता विलियम्स एक प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। इसरो (आईएसआरओ) भी अब मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसरो ने हाल ही में गगनयान के लिए प्रमुख परीक्षण पूरे किए हैं और आने वाले वर्षों में भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि भारतीय मूल के लोग वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भविष्य में, इसरो और नासा के बीच सहयोग बढ़ सकता है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी। सुनीता विलियम्स न केवल एक उत्कृष्ट अंतरिक्ष यात्री हैं बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। उनका सफ़र यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और विज्ञान के प्रति जुनून कैसे किसी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है कि वे अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय छात्रों व युवाओं से संवाद किया है और उन्हें वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती है और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए तो उसे प्राप्त किया जा सकता है। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी सुनीता विलियम्स की वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई देते हुए उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छूने का सपना देखते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चुलबुली गौरैया के लिए घर में बनाएं घोंसला

प्रभुनाथ शुक्ल

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की छत या बालकनी में पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृत्रिम घोंसला लगाने लगे हैं। गौरैया हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर-आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है, यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु-पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु -पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी-खासी भूमिका निभाते हैं लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता।

गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल की अपील कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना-पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जो पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च का दिन गौरैया के नाम रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास रहना अधिक पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्ड्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक से अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी।

गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे, लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौआ, महोख, कठफोड़वा और गौरैया शामिल हैं। इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक देशों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे हम अपनी पर्यावरण दोस्त को उचित माहौल दे पाएं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूफ़ीवाद और वक़्फ

इस्लाम का आध्यात्मिक आयाम सूफीवाद एक ऐसा मार्ग है, जो प्रेम, करुणा, मानवता की सेवा और आंतरिक शुद्धि पर जोर देता है। भारत के महान सूफी संतों, जैसे हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (आरज़ेड), हजरत निजामुद्दीन औलिया (आर.ए.) और कई अन्य सूफी संतो ने सभी समुदायों के बीच शांति (अमन), सहिष्णुता और एकता के सार्वभौमिक संदेश को फैलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी शिक्षाएं जाति, पंथ और धर्म से परे थीं और उन्होंनेइंसानियत और आध्यात्मिक ज्ञान की संस्कृति को बढ़ावा दिया।

इन औलिया-ए-किराम द्वारा स्थापित ख़ानक़ाह और दरगाह आध्यात्मिक मार्गदर्शन, दान, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के केंद्र बन गए-ऐसे स्थान जहां भूखों को खाना खिलाया जाता था, बीमारों काउपचार किया जाता था और सच्चे मार्ग की खोज करने वालों को आध्यात्मिक प्रकाश प्राप्त होता था।

इस्लाम की रहस्यवादी शाखा सूफीवाद ने भारत के धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सदियों से, सूफी संतों और उनकी आध्यात्मिक शिक्षाओं ने धार्मिक और जातिगत सीमाओं को पार करते हुए बड़ी संख्या में अनुयायियों को आकर्षित किया है। अपने आध्यात्मिक प्रभाव के साथ-साथ, सूफियों ने वक़्फ़ जैसी संस्थाओं के विकास में भी योगदान दिया, जो इस्लामी कानून के तहतधर्मार्थ सेवा हेतु संपत्ति का दान है। वक्फ सूफी तीर्थस्थलों के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने में सहायक रहा है, जिन्हें दरगाह के रूप में जाना जाता है, जो आध्यात्मिकता, सामाजिक कल्याण और सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं।

सूफीवाद और वक्फ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ, सूफी खुद को अल्लाह की सेवा में समर्पित करते हैं और दूसरी तरफ वे अपनी पूरी संपत्ति को धर्म, जाति और पंथ से परे लोगों के हित और सामाजिक कल्याण में समर्पित करते हैं।

मैं वक़्फ़ की उल्लेखनीय विरासत पर एक संक्षिप्त विचार साझा करना चाहता हूं, जिसने हमारे पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के समय से समाज के उत्थान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, एक संस्था जो इस्लामी इतिहास और आध्यात्मिकता में गहराई से निहित है। वक़्फ़के शुरुआती और सबसे गहन उदाहरणों में से एक हजरत उस्मान ए गनी (रज़ी अल्लाहु तआला अन्हु) द्वारा मदीना मुनव्वरा में स्थापित किया गया था।

पानी की कमी के समय में, उन्होंने बीर-ए-रुमा कुआं खरीदा और इसे वक़्फ़ के रूप में समर्पित कर दिया, जिससे इसका पानी मदीना के लोगों को आसानी से उपलब्ध हो गया। उनकी निस्वार्थ उदारता ने इस्लाम में सबसे पहले वक़्फ़ योगदानों में से एक को चिह्नित किया।

इससे भी ज़्यादा प्रेरणादायक बात यह है कि हज़रत उस्मान ए गनी (आरज़ेड) का वक़्फ़ आज भी सक्रिय है, चौदह शताब्दियों से भी ज़्यादा समय बीतने के बाद भी। बीर-ए-रुमा के आस-पास की ज़मीन को वक़्फ़ घोषित किया गया थाऔर यह खजूर की खेती सहित आधुनिक साधनों के ज़रिए आय सृजित करता है। इस वक़्फ़ से मिलने वाली आय का उपयोग मदीना में धर्मार्थ कार्यों के लिए किया जाता है, जिसमें अनाथों, विधवाओं और तीर्थयात्रियों की सहायता शामिल है। यह सदाक़ा जारिया (निरंतरे दान) का एक जीवंत उदाहरण है, जो शुरुआती वक़्फ़ के लंबे समय बाद भी पीढ़ियों को लाभान्वित करता रहा है।

इस दिव्य उदाहरण का अनुसरण करते हुए, भारत के सूफी संतों ने मानवता की सेवा और समाज के उत्थान के इरादे से विशाल भूमि और संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित किया।

इन वक्फ दानों ने खानकाह और दरगाहों की स्थापना, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और आतिथ्य प्रदान करने, धर्म या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना गरीबों को भोजन कराने के लिए लंगर (सामुदायिक रसोई) चलाने, वंचितों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना, अस्पताल और औषधालय स्थापित करने, बीमार और जरूरतमंदों को चिकित्सा उपचार प्रदान करने और अनाथों, विधवाओं और छात्रों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये पहलेंसूफीवाद के मूलभूत मूल्यों-सेवा, उदारता और करुणा को दर्शाती हैं और इन मूल्यों ने पूरे भारतीय इतिहास में एक सामंजस्यपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण में मदद की।

दुर्भाग्य से, वर्तमान समय में, भारत में कई वक्फ संपत्तियों का उपयोग मंशा-ए-वाक़िफ (दाता की मूल मंशा) के अनुसार नहीं किया जा रहा है। कई राज्य वक्फ बोर्डों में व्यापक कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी के कारण मूल्यवान वक्फ भूमि और संस्थानों की उपेक्षा,दुरुपयोग और अवैध कब्जे हुए हैं। इसने अनगिनत लोगों को उन सेवाओं और सहायता से वंचित कर दिया है, जिन्हें ये वक्फ संपत्तियां प्रदान करने के लिए बनाई गई थीं।

अपने बहुत बड़े योगदान के बावजूद, वक़्फ़ संपत्तियां और दरगाह आधुनिक भारत में कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वक्फ बोर्डों के भीतर कू-प्रशासन और भ्रष्टाचार के कारण कई वक्फ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है या उनका दुरुपयोग किया गया है। वक्फ प्रशासन में वित्तीय कुप्रबंधन के आरोप लगे हैं, जिससे राजस्व का नुकसान हुआ है। कई लोग वक्फ के महत्व और सामुदायिक कल्याण में इसकी संभावित भूमिका से अनजान हैं, जिससे वक्फ संसाधनों का कम उपयोग हो रहा है। कई वक्फ संपत्तियां स्वामित्व को लेकर कानूनी विवादों में उलझी हुई हैं, जिससे सार्वजनिक लाभ के लिए उनके प्रभावी उपयोग में देरी हो रही है।

वक्फ संस्थाओं को मजबूत बनाने और सामुदायिक कल्याण में उनकी भूमिका बढ़ाने के लिए कुछ उपायों पर विचार किया जा सकता है। अतिक्रमण को रोकने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वक्फ संपत्तियों के लिए डिजिटल रिकॉर्ड लागू करना, वक्फ प्रशासन की देखरेख करने और वित्तीय कुप्रबंधन को रोकने के लिए स्वतंत्र नियामक निकायों की स्थापना करना, शैक्षिक और स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए वक्फ संस्थानों और निजी संस्थाओं के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना, वक्फ योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में स्थानीय समुदायों को शामिल करना और वक्फ से संबंधित विवादों को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को तेज करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो उठाए जा सकते हैं।

यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम वक्फ की विरासत और सूफीवाद की शिक्षाओं का सम्मान करें, यह सुनिश्चित करें कि ये पवित्र न्यास समाज को लाभान्वित करते रहें और शांति, प्रेम और मानवता की सेवा के मूल्यों को बनाए रखें।

लेखक- सैयद नसरुद्दीन चिश्ती, दरगाह हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती (आरए) के वंशानुगत सज्जादानशीन के उत्तराधिकारी और एआईएसएससी के अध्यक्ष

***

इतालवी फुटबॉलर एंटोनियो कंद्रेवा ने लिया संन्यास

एजेंसी

रोम। इटली के फुटबॉल खिलाड़ी एंटोनियो कंद्रेवा ने 38 वर्ष की उम्र में सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका करीब 20 साल का करियर समाप्त हो गया। रोम में जन्मे कंद्रेवा मुख्य रूप से दाएं विंगर के रूप में खेलते थे और उन्होंने जुवेंटस, लाजियो, इंटर मिलान सहित कई अन्य क्लबों के लिए खेलते हुए 500 से अधिक सेरी ए मैचों में हिस्सा लिया। हालांकि, वह अपने करियर में केवल एक प्रमुख ट्रॉफी जीत सके, जब उन्होंने 2012-13 सीजन में लाजियो के साथ कोपा इटालिया का खिताब अपने नाम किया।कंद्रेवा पिछले सीजन में सालेर्निताना के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से फ्री एजेंट थे और पिछले महीने उन्होंने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने 2009 में इटली की राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया था और अपने करियर में कुल 54 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 7 गोल किए।

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग के फाइनल चरण में हरियाणा, ओडिशा, मध्य प्रदेश ने दर्ज की शानदार जीत

रांची। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 के फाइनल चरण का आगाज रांची में हुआ, जहां हॉकी हरियाणा, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी मध्य प्रदेश ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर शानदार शुरुआत की। पहले मैच में हॉकी हरियाणा ने पूल ए में मणिपुर हॉकी को 7-1 से मात दी। हॉकी हरियाणा की ओर से सावी (32', 37') और कीर्ति (45', 56') ने दो-दो गोल किए, जबकि खासा शशि (11'), सुप्रिया (54') और कीर्टी (58') ने एक-एक गोल दागा। मणिपुर हॉकी के लिए दीना देवी नाओरम (2') ने एकमात्र गोल किया। दूसरे मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी बंगाल को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल दीपिका बरवा (3') ने पहले क्वार्टर में किया। तीसरे मैच में हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी महाराष्ट्र को 2-0 से हराया। भुमिक्षा साहू (4') और कप्तान सोनिया कुमरे (58') ने क्रमशः पहले और आखिरी क्वार्टर में गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2025 (फाइनल चरण) का औपचारिक उद्घाटन समारोह आज शाम 6ः00 बजे मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। ।

मार्कस थुराम टखने की चोट के कारण क्रोएशिया के खिलाफ नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल से बाहर

पेरिस। फ्रांस की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फारवर्ड मार्कस थुराम टखने की चोट के कारण यूईएफए नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल में क्रोएशिया के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं। फ्रांस की मेडिकल टीम ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। डिडिएर डेशैम्प्स द्वारा इस हफ्ते के मैचों के लिए चुने गए 24 खिलाड़ियों में से थुराम एकमात्र ऐसे खिलाड़ी थे, जो क्लेयरफोंटेन में खुले प्रशिक्षण सत्र में भाग नहीं ले सके। इंटर मिलान के लिए खेलने वाले 27 वर्षीय थुराम अब तक 29 अंतरराष्ट्रीय मैचों में फ्रांस का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और दो गोल कर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में चैंपियंस लीग में फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए थे लेकिन दोनों मैचों में करीब एक घंटे बाद उन्हें मैदान से हटाया गया था। उन्होंने सीरी ए में अटलांटा के खिलाफ इंटर मिलान की 2-0 की जीत में भी हिस्सा लिया था लेकिन इसके बाद उनकी चोट गंभीर हो गई। फ्रांस की मेडिकल टीम ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि थुराम की अनुपस्थिति में किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं।

न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया, श्रृंखला में 2-0 की ली बढ़त

डुनेडिन। टिम सीफर्ट और फिन एलेन की धमाकेदार पारियों और कीवी तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार को डुनेडिन में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेन सियर्स (2/23) और जैकब डफी (2/20) ने पाकिस्तानी ओपनर्स मोहम्मद हारिस (11) और हसन नवाज (0) को जल्दी पवेलियन भेज दिया, जिससे पाकिस्तान का स्कोर 3.1 ओवर में 19/2 हो गया। इसके बाद कप्तान सलमान अली आगा और इरफान खान ने स्कोर को छह ओवरों में 36/2 तक पहुंचाया लेकिन जल्द ही इरफान (11) और खुशदिल शाह (2) को ईश सोढ़ी ने अपना शिकार बनाया और पाकिस्तान का स्कोर 7 ओवर में 4 विकेट पर 52 रन हो गया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डिवाइन, केर, और ताहूहू की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, अमेलिया केर और ली ताहूहू की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। इस बीच, श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद, सूजी बेट्स अंतरिम कप्तान बनी रहेंगी। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज़ अभी भी हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने जनवरी में मानसिक और शारीरिक भलाई को प्राथमिकता देने के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से ब्रेक लिया था। इस दौरान वह ड्रीम11 सुपर स्मैश, विमेंस प्रीमियर लीग और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में नहीं खेली थीं। अब वह

राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं। अमेलिया केर, जो हाल ही में विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की विजेता टीम का हिस्सा थीं, भी टीम में शामिल हुई हैं। उन्होंने पिछली बार टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। वहीं, तेज गेंदबाज ली ताहूहू दिसंबर में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टीम में वापस लौटी हैं।बेला जेम्स और पॉली इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है, जबकि एम्मा मैक्लॉड, इज़ी शार्प, फ्लोरा डेवोनशायर और ब्री इलिंग को टीम से बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने अनुभवी तिकड़ी की वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, हम सोफी, मेलि और ली की वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

ये तीनों खिलाड़ी अनुभव और नेतृत्व का शानदार संयोजन टीम में लाती हैं। सोफी ने खेल से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया था, लेकिन अब वह पूरी तरह तैयार हैं। वह किसी भी टीम के लिए एक बड़ी संपत्ति हैं और हमें खुशी है कि वह इस प्रतिस्पर्धी सीरीज के लिए वापस आ रही हैं। यह महिला टी20 सीरीज न्यूजीलैंड पुरुष टीम की पाकिस्तान के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के साथ डबल-हेडर के रूप में खेली जाएगी।

उरुग्वे के कोच बिएल्सा ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए छह नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

एजेंसी

मोंटेवीडियो। उरुग्वे के मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने अर्जेंटीना और बोलिविया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अपनी टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। बिएल्सा द्वारा चुने गए नए खिलाड़ी लोकल क्लबों से हैं, जिनमें फॉरवर्ड पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर जर्मन बारबास, मिडफील्डर एरिको कुएलो, डिफेंडर पैट्रिसियो पैसिफिको, सेंटर-बैक पाओलो कैलियोन और विंगर लुकास अगाज़ी का नाम शामिल है। उम्मीद के मुताबिक, लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वेर्दे, टॉटनहैम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर और बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को भी टीम में जगह दी गई है। उरुग्वे की टीम मोंटेवीडियो में अर्जेंटीना से भिड़ेगी, जबकि अगले एल आल्टो में बोलिविया के खिलाफ खेलेगी। दस टीमों की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप

तालिका में उरुग्वे 12 मैचों में 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

जॉश कॉब ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लिया, वारविकशायर अकादमी के लीड कोच बने

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी क्रिकेटर जॉश कॉब ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। वह अब वारविकशायर के बॉयज़ अकादमी लीड के रूप में अपनी नई भूमिका निभाएंगे। 34 वर्षीय कॉब ने 2007 में लीसेस्टरशायर के लिए पदार्पण किया था और अपने करियर में 448 पेशेवर मैच खेले। इस दौरान उन्होंने नॉर्थम्पटनशायर और वॉरसेस्टरशायर का भी प्रतिनिधित्व किया। वह 2013 में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) विजेता रहे, जब उन्होंने ढाका ग्लैडिएटर्स के लिए खेला था। इसके अलावा, वह द हंड्रेड टूर्नामेंट में वेल्श फायर टीम के कप्तान भी रहे।

कॉब टी 20 ब्लास्ट फाइनल में दो बार प्लेयर ऑफ द मैचचुने जाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। 2011 में, उन्होंने लीसेस्टरशायर की जीत में 4/22 की शानदार गेंदबाजी की थी, जबकि 2016 में नॉर्थम्पटनशायर के लिए 48 गेंदों में 80 रनों की निर्णायक पारी खेलकर टीम को दूसरी बार खिताब दिलाया था। क्रिकेट से

संन्यास के बाद, अब वह कोचिंग में अपना करियर बनाएंगे। पिछले साल इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलियाई वनडे टीम के साथ उन्होंने कंसल्टेंट कोच के रूप में काम किया था। उनके पिता रसेल कॉब भी लफबरो यूनिवर्सिटी में कोचिंग सेटअप का हिस्सा हैं, और अब जॉश भी उनके पदचिन्हों पर चल रहे हैं। संन्यास की घोषणा करते हुए जॉश कॉब ने कहा,पिछले 18 वर्षों में क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन यह एक शानदार सफर रहा। लॉर्ड्स में 18 साल की उम्र में पहला शतक और दो बार टी 20 ब्लास्ट फाइनल जीतना मेरी सबसे खास यादों में रहेगा। वारविकशायर अकादमी से हाल के वर्षों में जैकब बेथेल और डैन मूसली जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकले हैं। अपनी नई भूमिका के बारे में कॉब ने कहा, मेरा लक्ष्य घरेलू खिलाड़ियों को विकसित करना है, ताकि वे वारविकशायर और इंग्लैंड के लिए खेल सकें। यह एक प्रतिष्ठित क्लब है, और मैं इस चुनौती को लेकर उत्साहित हूं।

आईपीएल की तैयारियों पर बोले पोंटिंग और अय्यर, ट्रॉफी जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेगी पंजाब किंग्स

एजेंसी

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें संस्करण के करीब आने के साथ पंजाब किंग्स ने सीजन लॉन्च प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, कप्तान श्रेयस अय्यर और सीईओ सतीश मेनन शामिल हुए। इन सबने आगामी सीजन के लिए टीम की योजनाओं और लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य कोच पोंटिंग ने श्रेयस की खूब तारीफ की और कहा कि वह श्रेयस को टीम का कप्तान पाकर कितने खुश हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि वह अय्यर के साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हैं।पोंटिंग ने कहा, वह (अय्यर) एक बेहतरीन इंसान हैं। वह आईपीएल जीतने वाले कप्तान हैं। हम इससे ज़्यादा कुछ नहीं मांग सकते थे। वह कुछ दिन पहले ही कैंप में शामिल हुए हैं, इसलिए वह टीम पर कप्तान और लीडर के तौर पर अपनी छाप छोड़ना शुरू कर रहे हैं और यह अगले कुछ दिनों में और बेहतर होगा, उसके बाद ही हम अपना पहला मैच खेलेंगे। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, मैं इससे ज़्यादा खुश नहीं हो सकता था। टीम की नई टीम में

उचित संतुलन के बारे में बात करते हुए दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान ने कहा, हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। हमारे पास बेहतरीन भारतीय खिलाड़ी हैं और कुछ बेहतरीन विदेशी खिलाड़ी भी हैं। मैं टीम के एकजुट होने से बहुत खुश हूं। कल रात यहां हमारा पहला सत्र था, जो वाकई अच्छा रहा। लड़कों ने वाकई अच्छी ट्रेनिंग की है। वहीं श्रेयश अय्यर ने पोंटिंग के साथ फिर से काम करने के लिए अपनी उत्सुकता भी जताई और बताया कि उनकी मौजूदगी से टीम में और गहराई आएगी। टीम के नए कप्तान ने कहा, वह सभी का समर्थन करते हैं। जब मैंने पहले उनके साथ काम किया था, तो उन्होंने मुझे महसूस कराया था कि मैं एक बेहतरीन खिलाड़ी हूं और मैं इस प्रारूप में आसानी से बेहतर प्रदर्शन कर सकता हूं। वह एक खिलाड़ी को जो आत्मविश्वास देते हैं, वह एक अलग स्तर का होता है। अय्यर ने इस सीज़न के लिए टीम के लक्ष्य पर भी चर्चा की और कहा, लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। यही हमारी मानसिकता है और यह एक चरण-दर-चरण प्रक्रिया है, ऐसा नहीं है कि आप सुबह उठकर ऐसा करते हैं, लेकिन जिस तरह से हम अभी अभ्यास कर रहे हैं और जिस तरह से हम एक-दूसरे के साथ अपनी वेवलेंथ और सौहार्द साझा कर रहे हैं, यह वास्तव में अच्छा चल रहा है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025: एंथम, मैस्कॉट और लोगो का भव्य अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के एंथम, मैस्कॉट और लोगो का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भव्य अनावरण किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में युवा मामले और खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

'उज्ज्वला' बना खेलो इंडिया पैरा गेम्स का मैस्कॉट

खेलो इंडिया पैरा गेम्स के मैस्कॉट 'उज्ज्वला' का अनावरण खेल और युवा मामलों की राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने किया। यह मैस्कॉट दिल्ली की गौरैया से प्रेरित है, जो साहस, जुझारूपन और लचीलेपन का प्रतीक मानी जाती है। गौरैया की तरह, पैरा-एथलीट भी चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता की ऊंचाइयों को छूते हैं।

भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष और पैरालंपिक पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया तथा स्वयं फाउंडेशन की संस्थापक स्मिनू जिंदल ने खेलो

इंडिया पैरा गेम्स 2025 के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया। इस लोगो में नारंगी, हरे और नीले रंग का उपयोग कर एक गतिशील एथलीट को दर्शाया गया है, जो प्रगति और समावेशिता का प्रतीक है।वहीं, खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने इस अवसर पर खेलों का आधिकारिक एंथम भी लॉन्च किया। एंथम ÷खेलेगा खेलेगा मेरा इंडिया, जीतेगा जीतेगा मेरा इंडिया÷ के प्रेरक बोलों के साथ खिलाड़ियों और दर्शकों में जोश भरने के लिए तैयार किया गया है। इस मौके पर डॉ मंडाविया ने कहा, 1300 से अधिक पैरा-एथलीट इन खेलों में भाग लेने जा रहे हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है। खेल केवल जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि सीखने का जरिया भी हैं। उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का आयोजन 20 से 27 मार्च के बीच नई दिल्ली के तीन स्थानों- जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम और डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में होगा।

छह प्रमुख खेलों में होगा मुकाबला

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पैरा-तीरंदाजी, पैरा-एथलेटिक्स, पैरा-बैडमिंटन, पैरा-पावरलिफ्टिंग, पैरा-शूटिंग और पैरा-टेबल टेनिस जैसे छह प्रमुख खेलों में मुकाबले होंगे। इन खेलों में स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह, क्लब थ्रोअर धरमबीर और हाई जंपर प्रवीण कुमार जैसे शीर्ष एथलीट भी भाग लेंगे।बतादें कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा इस वर्ष आयोजित दूसरा राष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स का सफल आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य पैरा-एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स स्टैण्डर्ड को ऊपर उठा रहे हैं, हमें और अधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं: हरविंदर सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी 2025) का दूसरा संस्करण गुरुवार (20 मार्च) से शुरू हो रहा है और 2024 पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह इसे लेकर काफ़ी अधिक उत्साहित हैं। 34 वर्षीय तीरंदाज का मानना है कि केआईपीजी ने प्रतिस्पर्धा के इंटरनेशनल स्टैण्डर्ड लाए हैं और यह युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक प्रमुख मंच बन गया है। हरविंदर ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स के फॉर्मेट और चयन प्रक्रिया की प्रशंसा की और बताया कि यह पूरे भारत में सभी पैरा एथलीटों के प्रदर्शन को कैसे बढ़ावा देता है। हरविंदर ने साई मीडिया से कहा, राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 16 एथलीटों का चयन खेलो इंडिया पैरा गेम्स के लिए किया जाता है। यह सभी एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए प्रेरित करता है। यदि कोई एथलीट पदक जीतने में असमर्थ होता है, तो वह केआईपीजी में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पात्र होने के लिए शीर्ष 16 में स्थान पाने की पूरी कोशिश करता है। इस तरह की प्रक्रिया और प्रणाली एथलीटों को अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है। यह केआईपीजी 2025 का दूसरा संस्करण है, इसलिए भारत में पैरा खेलों को बढ़ते देखना अच्छा लगता है। हरविंदर रैंकिंग चरण में पहले स्थान पर रहे और फिर दिसंबर 2023 में होने वाले खेलो इंडिया पैरा गेम्स के उद्घाटन संस्करण में स्वर्ण पदक जीता। अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के बाद वह पिछले साल पेरिस में दो बार ओलंपिक पदक विजेता बने, जिसमें व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक भी शामिल है, वही इवेंट जिसमें उन्होंने टोक्यो पैरालिंपिक में कांस्य पदक जीता था।

युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप: टाई के साथ शुरू हुआ दिन युवा मुंबा की जीत पर हुआ खत्म

एजेंसी

हरिद्वार)। हरिद्वार में चल रहे युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप के 13वें दिन जहां चंडीगढ़ चार्जर्स और सोनीपत स्पार्टन्स के बीच खेला गया दिन का पहला मुकाबला टाई पर समाप्त हुआ। वहीं अन्य मुकाबलों में युवा मुंबा, पलानी टस्कर्स और वॉरियर्ज केसी ने शानदार जीत दर्ज की।चंडीगढ़ चार्जर्स और सोनीपत स्पार्टन्स के बीच खेला गया दिन का पहला मुकाबला 29-29 की बराबरी पर समाप्त हुआ। चंडीगढ़ चार्जर्स के लिए वीरेंद्र सिंह ने 9, जबकि सोनीपत स्पार्टन्स के लिए अंकित कुमार राणा और राहुल आहिरी ने 7-7 अंक जुटाए। जहां एक ओर वीरेंद्र सिंह की रेड्स ने स्पार्टन्स को मजबूत स्थिति बनाए रखा, तो वहीं नवीन शर्मा के मजबूत डिफेंस ने चार्जर्स के हमलों साकार नहीं होने दिया। जिसके चलते मुकाबला टाई पर समाप्त हुआ और

दोनों टीमों को बराबर अंक मिले।दूसरे मुकाबले में, वॉरियर्ज के.सी. ने यूपी फाल्कन्स को 43-34 से हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की। यूपी फाल्कन्स के लिए विशाल चौधरी ने कई बार रेड्स का प्रयास किया, लेकिन शिवांश ठाकुर की मजबूत डिफेंस के आगे उनकी कोशिश नाकाम कर रही। हिमांशु यादव और पुनीत कुमार ने भी टीम के लिए महत्वपूर्ण अंक जुटाए। वॉरियर्ज़ के.सी. की ओर सही सही समय किए गए बदलाव और टाइमआउट्स की नीति निर्णायक साबित हुई और उन्होंने मैच का रुख अपने पक्ष में कर लिया। दिन के तीसरे मुकाबले में केसवन राजा की शानदार रेडिंग के चलते पलानी टस्कर्स ने युवा योद्धास को 41-37 से शिकस्त दी। हालांकि मैच ने कई बार रुख बदला, लेकिन अंत में पलड़ा पालनी टस्कर्स का ही भरी रहा। हालांकि पूरे मैच में जतिन सिंह और रंजीत मोहन महत्वपूर्ण रेड्स के चलते आकर्षण का केंद्र बने रहे। युवा योद्धास की ओर से शिवम ने लगातार सफल रेड्स की और टीम को ऑल-आउट करवाने में मदद की, लेकिन केसवन राजा के शानदार प्रदर्शन ने टस्कर्स को मुकाबले में बनाए रखा। अंत में, पलानी टस्कर्स ने आखिरी क्षणों में जोरदार वापसी करते हुए जीत अपने नाम कर ली।दिन के चौथे मुकाबले में, युवा मुंबा ने युवा पलटन के खिलाफ 40-31 की जीत दर्ज की। पूरे मैच के दौरान दोनों ही टीमों का रेडिंग और डिफेंस इतना शानदार रहा कि स्कोरलाइन कभी भी एक तरफ भागती नहीं दिखी। जहां युवा मुंबा के रेडर्स ने निर्णायक क्षणों में मौके भुनाए तो वहीं उनकी डिफेंस ने भी पूरा साथ देते हुए युवा पलटन के हमलों को रोकने में सफलता हासिल की।

अंडर-19 एलीट कैम्प के लिए रुद्रांश का चयन

प्रयागराज। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के तत्वावधान में 2 से 28 अप्रैल तक आयोजित होने वाले एलीट कैम्प के लिए प्रयागराज के रुद्रांश सिंह का चयन मध्य प्रदेश की ओर से किया गया है। अंडर-19 आयु वर्ग में आयोजित ह कैम्प देश के चार शहरों सूरत व नाडियाड (गुजरात), गुवाहाटी एवं पांडिचेरी में लगेगा। रुद्रांश का चयन नाडियाड के लिए किया गया है। रुद्रांश के कोच विवेक सिंह ने बताया कि यह अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति ने किया है। इसमें विभिन्न फिटनेस परीक्षणों से गुजरना होगा। रुद्रांश ने वर्तमान सत्र में मध्य प्रदेश की ओर से कूच बिहार ट्रॉफी में 8 पारियों में तीन शतक एवं एक अर्धशतक के साथ 611 रन बनाए हैं। जिसमें उत्तराखंड के विरुद्ध दोहरा शतक (229 रन) भी शामिल है।

सुनील छेत्री की वापसी पर सभी की नजरें, भारत-मालदीव के बीच दोस्ताना मुकाबला

एजेंसी

शिलॉन्ग। शिलॉन्ग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम मालदीव के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैच खेलेगी। यह मुकाबला भारत के लिए एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले की तैयारी का हिस्सा है, जो 25 मार्च को खेला जाएगा। इस मैच में सबसे बड़ी चर्चा भारतीय कप्तान सुनील छेत्री की वापसी को लेकर हो रही है, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद पहली बार टीम के लिए मैदान पर उतरेंगे।यह पहली बार होगा जब भारतीय टीम शिलॉन्ग में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। हेड कोच मनोलो मार्केज ने इस मौके को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, यहां खेलना एक शानदार अनुभव होगा। मैंने पिछले

साल डुरंड कप के दौरान इस स्टेडियम का माहौल देखा था और सोचा था कि राष्ट्रीय टीम को यहां खेलना चाहिए। मार्केज के लिए यह दोस्ताना मुकाबला उनकी कोचिंग के तहत पहला बड़ा मैच होगा, जिसमें वे अपनी टीम को आगामी क्वालीफायर से पहले परखना चाहेंगे। उन्होंने कहा, यह एक तैयारी मैच है, लेकिन हम इसे जीतना चाहते हैं। यह जरूरी नहीं कि जो खिलाड़ी इस मैच में खेलेंगे, वे बांग्लादेश के खिलाफ भी खेलेंगे।मार्केज ने यह भी पुष्टि की कि सुनील छेत्री इस मुकाबले में जरूर खेलेंगे, हालांकि यह तय नहीं है कि वह शुरुआत से उतरेंगे या बाद में सब्सटीट्यूट के रूप में आएंगे। उन्होंने कहा, छेत्री भारत के सबसे अनुभवी और मौजूदा सीजन में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उम्र कोई मायने नहीं रखती, प्रदर्शन मायने रखता है। जो खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होंगे, वे राष्ट्रीय टीम में जगह पाएंगे। दूसरी ओर, मालदीव की टीम भी इस मुकाबले को अपने एशियन कप क्वालीफायर की तैयारी के रूप में देख रही है, जहां उनका सामना फिलीपींस से होगा।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025:सचिवालय बुल्स, डेंजर और हरिकेन की शानदार जीत

एजेंसी

देहरादून। सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आज का दिन रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा। कुल चार मैच खेले गए, जिनमें सचिवालय बुल्स, डेंजर और सचिवालय हरिकेन ने शानदार जीत दर्ज की, जबकि सचिवालय ए को वॉकओवर से विजेता घोषित किया गया। इन मुकाबलों में बल्लेबाजों और गेंदबाजों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच चरम पर पहुंच गया।

महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड के मुकाबले

पहले मुकाबले में सचिवालय क्लासिक और सचिवालय बुल्स आमने-सामने थे। सचिवालय क्लासिक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए, जिसमें अमित नेगी ने 43 रनों की बेहतरीन पारी खेली। जवाब में बुल्स की टीम ने अमीन के 34 और विकी के 17 रनों की मदद से 9 विकेट खोकर रोमांचक जीत दर्ज की। रमेश जोशी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विकी को दिया गया। दूसरा मुकाबला डेंजर और वॉरियर के बीच खेला गया। डेंजर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 143 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसमें अमित तोमर ने 23

रन बनाए। वॉरियर के गेंदबाज शुभम मौर्य ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉरियर की टीम 101 रन पर सिमट गई, जिसमें मोहम्मद फाजिल ने 3 विकेट चटकाए। डेंजर ने यह मुकाबला 42 रनों से जीत लिया, और मैन ऑफ द मैच मोहम्मद फाजिल को चुना गया।

दून हैरिटेज क्रिकेट ग्राउंड के मुकाबले

पहले मैच में सचिवालय हरिकेन और लायंस के बीच जबरदस्त भिड़ंत हुई। सचिवालय हरिकेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 217 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कपिल ने 59, आशीष रावत ने 50 और सुनील मेंदोला ने 46 रनों की शानदार पारियां खेलीं। जवाब में लायंस की टीम ने संघर्ष करते हुए 5 विकेट पर 171 रन बनाए, जिसमें मदन ने 118 रनों की लाजवाब पारी खेली। हरिकेन की ओर से सुनील मेंदोला ने 2 विकेट लिए। इस तरह हरिकेन ने मुकाबला 46 रनों से जीता और मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सुनील मेंदोला को मिला। दिन का अंतिम मुकाबला सचिवालय ए और सेतु स्टार के बीच खेला जाना था, लेकिन सेतु स्टार की टीम मैदान पर नहीं पहुंच सकी, जिससे सचिवालय ए को वॉकओवर देकर विजेता घोषित किया गया।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन करना होगा आसान, ऐप लॉन्च

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित नए संसद भवन में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के लिए एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया। इस ऐप के जरिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन करना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना से जुड़ी जानकारियां देने के लिए पहले सुविधा केंद्र की शुरुआत भी की गई है। यह केंद्र कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने बनाया है। यहां से युवाओं को इंटर्नशिप के बारे में जानकारी और मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत इंटर्नशिप करने के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख पहले 12 मार्च थी, लेकिन इसको बढ़ाकर 31 मार्च तक कर दिया गया है। मोबाइल ऐप के लॉन्च होने के बाद युवाओं के लिए सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और देश की टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप करना और भी आसान हो जाएगा। आवेदक प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर भी आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत पहले दौर में 1.27 लाख युवाओं को इंटर्नशिप करने का अवसर मिला था। अब दूसरे दौर में 1.25 लाख से ज्यादा युवाओं को इंटर्नशिप का मौका देने का लक्ष्य रखा गया था।

सीबीडीटी ने आयकर नियमों का मसौदा तैयार करने के लिए जनता से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने नए आयकर विधेयक 2025 के प्रावधानों पर आयकर नियमों और संबंधित प्रपत्रों पर हितधारकों से सुझाव मांगे हैं। ये सुझाव प्रस्तावित नए आयकर विधेयक को संसद में पेश किए जाने के बाद आमंत्रित किए गए हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के मुताबिक हितधारक नए आयकर विधेयक, 2025 के संबंधित आयकर नियमों और संबंधित प्रपत्रों का मसौदा तैयार करने के लिए अपने सुझाव भेज सकते हैं। सीबीडीटी ने इस पहल के अनुरूप ई-फाइलिंग पोर्टल पर शुरुआत की है, जिससे हितधारक अपने सुझाव दे सकते हैं। ओटीपी आधारित सत्यापन प्रक्रिया 8 मार्च से लाइव है। मंत्रालय के मुताबिक सीबीडीटी ने व्यापक परामर्श प्रक्रिया के भाग के रूप में नियमों और प्रपत्रों की समीक्षा के लिए गठित समिति ने चार श्रेणियों में सुझाव आमंत्रित किये हैं 1. भाषा का सरलीकरण 2. मुकदमेबाजी में कमी 3. अनुपालन बोझ में कमी 4. अनावश्यक/अप्रचलित नियमों और प्रपत्रों की पहचान आदि। हितधारक अपने सुझाव को नीचे दिए गए लिंक https://eportal.incometa&.gov.in/iec/foservices/#/pre-login/ita-comprehensive-review पर भेज सकते हैं। हितधारक अपना नाम और मोबाइल नंबर दर्ज कर अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद ओटीपी-आधारित सत्यापन प्रक्रिया होगी।

एअर इंडिया के विमानों का नवीनीकरण 2027 के मध्य तक पूरा हो जाएगा: सीईओ

नई दिल्ली/गुरुग्राम। बदलाव की ओर अग्रसर टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी एअर इंडिया को उम्मीद है कि 2027 के मध्य तक उसके सभी पुराने चौड़े आकार के विमानों की मरम्मत एवं नवीनीकरण का काम पूरा हो जाएगा। एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी को उम्मीद है कि 2027 के मध्य तक सभी पुराने वाइड बॉडी विमानों का उन्नयन पूरा हो जाएगा। कैंपबेल विल्?सन ने कहा कि दुनियाभर के विमानन बाजार में अगले चार से पांच साल तक आपूर्ति सीमित रहने की संभावना है। कैंपबेल विल्सन ने कहा कि एअर इंडिया का लक्ष्य 2027 के मध्य तक सभी पुराने वाइड-बॉडी विमानों की मरम्मत पूरी करना है। उन्?होंने कहा कि एयरलाइन कुछ नए विमानों में प्रथम श्रेणी के केबिन शुरू करने की भी योजना बना रही है। एअर इंडिया के सीईओ और एमडी ने कहा कि विस्तारा विमान की रंगाई-पुताई और नवीनीकरण का काम डेढ़ साल में पूरा होने की उम्मीद है। पूर्ण सेवा प्रदाता विस्तारा का पिछले साल एयर इंडिया में विलय कर दिया गया था। विल्सन ने कहा कि विमानों की मरम्मत एयरलाइन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुराने बोइंग 777 विमानों की मरम्मत पिछले साल शुरू होनी थी लेकिन सीटों की आपूर्ति संबंधी समस्याएं थीं।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई चैबोल एलजी की सब्सिडियरी कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। हालांकि, कंपनी ने इश्यू के कुल आकार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष 6 दिसंबर, 2024 को कागजात दाखिल किए थे। कंपनी का यह इश्यू ऑफर फार सेल (ओएफएस) पर आधारित होगा। सेबी के पास एलजी के दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड कंपनी के दाखिल डीआरएचपी में शामिल रेडसीर रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ऑफलाइन चैनल में वैल्यू मार्केट शेयर के मामले में 13 सालों से मार्केट लीडर रही है।

सुपर आयरन फाउंड्री ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। कास्ट आयरन काउंटरवेट्स, म्यूनिसिपल कास्टिंग्स और डक्टाइल आयरन पाइप फिटिंग्स बनाने वाली कंपनी सुपर आयरन फाउंड्री के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में निराशाजनक एंट्री हुई। कंपनी के शेयर सांकेतिक डिस्काउंट के साथ सपाट स्तर पर लिस्ट हुए। फ्लैट लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए।आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 108 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 5 पैसे के डिस्काउंट के साथ 107.95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह शेयर 102.60 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू करके लोअर सर्किट को ब्रेक कर दिया। सुबह 10:30 बजे तक

के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 5 रुपये की कमजोरी के साथ 103 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। सुपर आयरन फाउंड्री का 68.05 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 63,01,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसके मुनाफे में लगातार बढ़ोतरी हुई है।

वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 88 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़ कर 1.28 करोड़ रुपये के स्तर पर और 2023-24 में उछल कर 3.94 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की बात करें, तो अप्रैल से दिसबर 2024 के बीच कंपनी को 9.53 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 94.91 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

रिजर्व बैंक और बैंक ऑफ मॉरीशस ने स्थानीय मुद्राओं में आपसी लेनदेन के लिए किया करार

एजेंसी
नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और बैंक ऑफ मॉरीशस (बीओएम) ने सीमा पार लेन-देन के लिए भारतीय मुद्रा रुपये और मॉरीशस रुपये (एमयूआर) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक ऑफ मॉरीशस ने द्विपक्षीय लेन-देन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि समझौता ज्ञापन पर आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा और बीओएम गवर्नर राम कृष्ण सिथानन जी सी एस के ने हस्ताक्षर किए हैं।रिजर्व बैंक ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम की मौजूदगी में 12 मार्च, 2025 को मॉरीशस के पोर्ट लुइस में समझौता ज्ञापन दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। आरबीआई ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार में भारतीय रुपया और एमयूआर के उपयोग को बढ़ावा देना है। इस समझौता ज्ञापन में दोनों देशों द्वारा सहमत सभी चालू खाता लेन-देन और स्वीकार्य पूंजी खाता लेनदेन शामिल हैं।

रिजर्व बैंक के मुताबिक यह समझौता ढांचा निर्यातकों और आयातकों को अपनी-अपनी घरेलू मुद्राओं में चालान बनाने और भुगतान करने में सक्षम बनाएगा, जिससे बदले में भारतीय रुपया और एमयूआर जोड़ी में एक बाजार का विकास संभव होगा। स्थानीय मुद्राओं के उपयोग से लेनदेन के लिए लागत और निपटान समय का अनुकूलन होगा।

सरकार ने कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हाल में आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जारी एक अधिसूचना में घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 फीसदी का अस्थायी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। अधिसूचना के मुताबिक इस शुल्?क पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। यह सुरक्षा शुल्क एक अस्थायी टैरिफ अवरोध है, जो घरेलू इस्पात उद्योगों को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए लगाया जाता है। डीजीटीआर ने 18 मार्च को जारी एक अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। अधिसूचना के

अनुसार प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। यह 200 दिनों के लिए 12 फीसदी की दर से अनंतिम है। उल्लेखनीय है कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पिछले साल दिसंबर में फैब्रिकेशन, पाइप विनिर्माण, विनिर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले गैर-मिश्र धातु एवं मिश्र धातु इस्पात 'फ्लैट' उत्पादों के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। इस जांच में निदेशालय ने प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

सर्राफा बाजार में ऑल टाइम हाई पर सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण सोना 90 हजार रुपये के स्तर को पार करके अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इस तेजी के कारण सोना आज 810 रुपये से लेकर 890 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये से लेकर 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,900 रुपये से लेकर 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 1,05,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 90,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 90,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत और न्यूजीलैंड 60 दिनों में करेंगे एफटीए

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड का लक्ष्य अगले 60 दिनों में सभी मुद्दों को शामिल करते हुए एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना है। भारत-न्यूजीलैंड ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा नई दिल्?ली के होटल आईटीसी मौर्या में आयोजित %भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक मंच% कार्यक्रम के अवसर पर यह प्रतिबद्धता जताई।फिक्की की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि वह 60 दिनों के भीतर समझौते की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित समझौते से द्विपक्षीय व्यापार 10 साल में मौजूदा 1.75 अरब डॉलर से 10 गुना बढ़ सकता है। इसके साथ ही कृषि उत्पादों, फार्मा, महत्वपूर्ण खनिजों

और पर्यटन में व्यापार का विस्तार हो सकता है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर रिकॉर्ड 60 दिनों में हस्ताक्षर करने की महत्वाकांक्षी योजना का समर्थन करते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वह इसे उतनी ही तेजी से, शायद उससे भी तेज करने की आकांक्षा रखेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कहा कि किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि भारत मात्र 90 दिनों में संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर सकेगा। फिक्की द्वारा आयोजित 'भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक मंच' के कार्यक्रम के अवसर पर पीयूष गोयल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, हम (भारत-न्यूजीलैंड) दो महत्वाकांक्षी मित्र हैं, जो सहयोग की भावना से एक दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए मिलकर काम कर रहे हैं।' गोयल ने कहा कि हम इसे उतनी ही तेजी से, शायद उससे भी तेजी से करने की आशा रखते हैं। इस दौरान न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले भी उनके साथ थे। इससे पहले न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि सरकार और राजनेता के रूप में हम परिचालन प्रणाली स्थापित कर सकते हैं और व्यवसायियों के लिए एक ऐसा माहौल बना सकते हैं, जहां वे आगे आ सकें और अवसरों के साथ-साथ विकास भी कर सकें।

किआ इंडिया भी एक अप्रैल से वाहनों के दाम तीन फीसदी तक बढ़ाएगी

एजेंसी
नई दिल्ली। मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स के बाद किआ इंडिया ने अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह बढ़ती लागत के दबाव को कम करने के लिए अप्रैल से अपने कार की कीमतों में तीन फीसदी तक की वृद्धि करेगी। किआ ने इससे पहले जनवरी में कीमतों में 2 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी।वाहन निर्माता कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि प्रभावी मूल्य वृद्धि, मुख्य रूप से सामग्रियों की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित लागत में वृद्धि के कारण वह अपने पूरे पोर्टफोलियो में 3 फीसदी तक की वृद्धि करेगी। नई दरें एक अप्रैल से प्रभावी होंगी। यह बढ़ोतरी किआ के इलेक्ट्रिक वाहन पर भी लागू होगी, जिसमें ईवी-6 और ईवी-9 शामिल है। इसके साथ ही मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स के बाद नए वित्त वर्ष में मूल्य वृद्धि को लागू करने वाला देश का तीसरा वाहन निर्माता बन गया है। कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बिक्री और मार्केटिंग हरदीप सिंह बरार ने कहा, अपने ग्राहकों को असाधारण मूल्य और गुणवत्ता देने के लिए प्रतिबद्ध एक ब्रांड के रूप में हमने हमेशा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सर्वश्रेष्ठ वाहन पेश करने का प्रयास किया है। हालांकि, सामान और इनपुट लागतों की बढ़ती कीमत के कारण हम 1 अप्रैल से सभी किआ मॉडलों में 3 फीसदी तक की कीमतें बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि हमारे ग्राहकों पर प्रभाव को कम करने के लिए किआ बढ़ी हुई लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वहन कर रही है।

पीडीपी शिपिंग की स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली।लॉजिस्टिक्स सर्विसेज देने वाली कंपनी पीडीपी शिपिंग के शेयरों की स्टॉक मार्केट में निराशाजनक एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 19.81 प्रतिशत डिस्काउंट पर लिस्ट हुए। कमजोर लिस्टिंग के बाद दिन के कारोबार के दौरान बिकवाली के दबाव की वजह से इन शेयरों में और भी अधिक गिरावट आ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 108.25 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह शेयर 102.85 रुपये के लोअर सर्किट के लेवल पर आ गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 23.81 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा।

पीडीपी शिपिंग का 12.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 9.37 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 1.91 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में कम होकर 1.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि, 2023-24 में स्थिति में बदलाव हुआ हुआ, जिससे कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 2.31 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच कंपनी को 1.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 13.78 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

अबतक 55.02 करोड़ जन-धन खाते खुले, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 36.63 करोड़

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 07 मार्च 2025 तक कुल 55.02 करोड़ जन-धन खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 36.63 करोड़ खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में हैं। साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 07 मार्च तक कुल 50.30 करोड़ नामांकन हुआ है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। चौधरी ने सदन को बताया कि अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया योजना और अन्य वित्तीय समावेशन योजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा समय-समय पर विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इन योजनाओं के तहत अधिक लोगों को नामांकित करने के लिए ग्राम स्तर पर

शिविर आयोजित किए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने अगस्त, 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के नाम से राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन (एनएमएफआई) की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य बैंकिंग सुविधा से वंचित हर वयस्क को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करना, असुरक्षित को सुरक्षित करना, अवित्तपोषित को वित्तपोषित करना और वंचित व कम सुविधा वाले क्षेत्रों में सेवा प्रदान करना जैसे मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अबतक 13 फीसदी बढ़कर 21.26 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अबतक 13.13 फीसदी बढ़कर 21.26 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। इसमें अग्रिम कर संग्रह में वृद्धि का प्रमुख योगदान रहा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी आंकड़ों में बताया कि चालू वित्त वर्ष में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 16 मार्च तक 16.15 फीसदी बढ़कर 25.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं, शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अब तक 13.13 फीसदी बढ़कर 21.26 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्र सरकार ने अग्रिम कर की चार किस्तों से 14.62 फीसदी वृद्धि के साथ 10.44 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 9.11 लाख करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष के लिए अग्रिम कर भुगतान की अंतिम किस्त 15 मार्च, 2025 को देय थी। अग्रिम कर का भुगतान चार किस्तों में वित्त वर्ष के दौरान 15 जून, 15 सितंबर, 15 दिसंबर और 15 मार्च में किया जाता है। सीबीडीटी के मुताबिक कॉरपोरेट कर श्रेणी के तहत अग्रिम कर संग्रह 12.54 फीसदी बढ़कर 7.57 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि गैर-कॉरपोरेट श्रेणी में अग्रिम कर संग्रह 20.47 फीसदी की वृद्धि के साथ 2.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

स्टॉक मार्केट में 2 महीने की सबसे बड़ी तेजी, 75 हजार के स्तर को पार करके बंद हुआ सेंसेक्स

एजेंसी
नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर बने उत्साह के माहौल के बीच घरेलू शेयर बाजार भी जोरदार तेजी का गवाह बना। आज की तेजी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक एक महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। आज दिन के कारोबार में सेंसेक्स 1,215.81 अंक तक उछला। इसी तरह निफ्टी भी 349.05 अंक तक की तेजी हासिल करने में सफल रहा। पिछले दो महीने के कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में आई ये अभी तक की सबसे बड़ी तेजी है।? बाजार की मजबूती की वजह से ही सेंसेक्स आज 75,000 अंक के स्तर को पार करके बंद होने में सफल रहा। इसी तरह निफ्टी भी 22,800 अंक के स्तर को पार कर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.53 प्रतिशत और निफ्टी 1.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करते रहे। इस दौरान बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस तथा टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.10 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 7 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 400.02 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 392.80 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.22 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,159 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,825 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,210 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 124 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,642 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,122 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 520 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 26 शेयर बढ़त के साथ और 4 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और 4 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 438.71 अंक की मजबूती के साथ 74,608.66 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक गिर कर 74,480.15 अंक तक पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर में खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 1,215.81 अंक उछलकर 75,385.76 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, आखिरी वक्त में हुई मामूली बिकवाली के कारण यह सूचकांक ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 1,131.31 अंक की तेजी के साथ 75,301.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सूडान के ओमडुरमैन शहर में आरएसएफ के हमले में सात लोगों की मौत, 43 घायल

खार्तूम । सूडान की राजधानी खार्तूम के उत्तर में ओमडुरमैन शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा की गई गोलाबारी में दो बच्चों समेत सात नागरिकों की मौत हो गई। राज्य के मीडिया कार्यालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि रविवार को आरएसएफ द्वारा की गई लगातार गोलीबारी में 43 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में 4 से 12 साल की उम्र के 18 बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भेजा गया। समाचार एजेंसी के अनुसार, ओमडुरमैन शहर में करारी इलाके के मोहल्लों को निशाना बनाकर की गई यह गोलाबारी उस समय हुई, जब स्वयंसेवकों की प्रार्थना के दौरान चौराहों पर बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे। ओमडुरमैन के अल-नाओ अस्पताल में एक पैरामेडिक ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि अस्पताल में लाए गए ज्यादातर घायलों के अंगों में चोटें थीं, जो उड़ते हुए प्रोजेक्टाइल्स की वजह से लगीं। नाम न बताने की शर्त पर एक पैरामेडिक ने कहा, कुछ घायलों के अंग काटने पड़े, जबकि कुछ को सिर में चोटें आईं, जिनके इलाज के लिए अस्पताल में सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आरएसएफ ने इस घटना के संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी जारी नहीं की है। सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) अक्सर आरएसएफ पर करारी इलाके पर बमबारी करने का आरोप लगाते हैं। यह इलाका ओमडुरमैन का एकमात्र घनी आबादी वाला क्षेत्र है।

काठमांडू में राजतंत्र के समर्थक व विरोधियों का 28 मार्च को प्रदर्शन की घोषणा, निषेधाज्ञा लागू

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह की सक्रियता बढ़ने के विरोध में विपक्षी दलों की तरफ से काठमांडू में 28 मार्च को शक्ति प्रदर्शन करने की घोषणा के बाद अब राजतंत्र समर्थकों ने भी उसी दिन रैली करने का फैसला किया है। दोनों पक्षों के एक ही दिन होने वाले प्रदर्शन के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन ने कई स्थानों पर निषेधाज्ञा लगा दी है। पिछले दिनों पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के समर्थन में बड़ी संख्या में लोगों के सड़क पर उतरने के बाद मुख्य विपक्षी दल सीपीएन (एमसी) के नेतृत्व में विपक्षी मोर्चा ने राजा के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन करने का फैसला किया है। सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष पुष्पकमल दहाल प्रचंड ने राजतंत्र समर्थकों के खिलाफ काठमांडू की सड़कों पर एक लाख लोगों को उतारने की घोषणा की थी। राजतंत्र के पक्ष में अभियान चला रहे दुर्गा प्रसाई ने अपने समर्थकों और अन्य राजतंत्र समर्थकों से सीपीएन (एमसी) के प्रदर्शन को विफल करने की अपील की है। काठमांडू जिला प्रशासन ने सुरक्षा समिति की बैठक बुलाकर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने का फैसला किया है। जिला प्रशासन ने किसी भी संभावित भिड़ंत को रोकने के लिए एक ही स्थान पर दोनों पक्षों को प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने का भी फैसला किया है।

अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स का राष्ट्रपति ट्रंप पर पलटवार

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने संघीय न्यायपालिका के खिलाफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ती बयानबाजी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के खिलाफ फैसला सुनाने वाले न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाने का आह्वान लक्षित प्रतीत होता है। रॉबर्ट्स का बयान सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया है। सीएनएन की खबर के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश ने बयान में कहा, दो शताब्दियों से भी अधिक समय से यह स्थापित है कि न्यायिक निर्णय से संबंधित असहमति के लिए महाभियोग उचित प्रतिक्रिया नहीं है। इसके लिए अपीलीय समीक्षा प्रक्रिया मौजूद है।रॉबर्ट्स के बयान में सीधे तौर पर ट्रंप का नाम नहीं लिया गया है। मुख्य न्यायाधीश का यह बयान ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति ने संघीय न्यायाधीशों पर अपने हमले तेज कर दिए और विशेष रूप से अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेम्स बोसबर्ग के खिलाफ महाभियोग चलाने का आह्वान किया है। बोसबर्ग ने वेनेजुएला के कथित गिरोह के सदस्यों के निर्वासन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। महत्वपूर्ण यह है कि एलन मस्क समेत ट्रंप के कई सहयोगी प्रशासन के खिलाफ सुनाए गए फैसलों पर संबंधित जजों के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग कर रहे हैं।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के तीन विश्वविद्यालय अनिश्चितकाल के लिए बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के तीन विश्वविद्यालयों ने अनिश्चितकाल के लिए परिसर में कक्षाएं बंद कर दी हैं। विद्यार्थियों से वर्चुअल कक्षाओं में भाग लेने को कहा गया है। यह तीनों शिक्षण संस्थान हैं-बलूचिस्तान विश्वविद्यालय, सरदार बहादुर खान महिला विश्वविद्यालय और तुर्बत विश्वविद्यालय। तीनों में शैक्षणिक गतिविधियों को तत्काल निलंबित कर दिया है। डान अखबार की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि हाल ही में हुए हमलों और सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह निर्णय सिबी के पास जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर यात्रियों को बंधक बनाए जाने के कुछ समय बाद लिया गया। इस घटना की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली थी। तब से बलूचिस्तान में कई हमले हो चुके हैं। बताया गया है कि तीनों विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को निलंबित करने का डीन और शैक्षणिक विभागों के प्रमुखों के साथ परामर्श के बाद लिया गया। बलूचिस्तान विश्वविद्यालय ने अधिसूचना में कहा है कि डीन और अनुभागीय प्रमुखों के साथ बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि अगले आदेश तक सभी परिसर वर्चुअल लर्निंग पर स्विच करेंगे।

अमेरिका का सबसे बड़ा राज: ट्रंप के आदेश के बाद कैनेडी हत्या से जुड़ी 11,00 से अधिक फाइलें सार्वजनिक

एजेंसी

वाशिंगटन । ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक कर दिया। कैनेडी की 1963 में टेक्सास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद अब यह दस्तावेज जनता के लिए पूरी तरह सुलभ हो गए हैं। इसे सरकारी पारदर्शिता में एक 'बड़ा कदम' माना जा रहा है। अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने एक्स पर इस कदम की घोषणा करते हुए कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप अधिकतम पारदर्शिता के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं। आज, उनके निर्देशानुसार, पहले से संपादित जेएफके हत्याकांड की फाइलें बिना किसी संशोधन के जनता के लिए जारी की जा रही हैं। वादे किए गए, वादे पूरे हुए। इस फैसले की वजह से 1,100 से अधिक फाइलें सामने

आई हैं, जिनमें 31,000 पृष्ठ है। इन दस्तावेजों में सीआईए मेमो, एफबीआई रिपोर्ट और राजनयिक केबल शामिल हैं, जो कैनेडी की हत्या को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों पर प्रकाश डालते हैं। इतिहासकार, शोधकर्ता और षड्यंत्र सिद्धांतकार लंबे समय से जेएफके की मौत से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रहे हैं। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि नई उपलब्ध फाइलें मौजूदा ऐतिहासिक कहानी में बहुत ज़्यादा बदलाव नहीं ला सकती हैं। फिर भी लोगों में इस बात को लेकर आकर्षण बना हुआ है कि पूरी सच्चाई अभी भी गुप्त रखी गई है, जिससे नए सिरे से जांच और बहस को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।कैनेडी ने 22 नवंबर, 1963 को डलास, टेक्सास का दौरा किया। कैनेडी अपनी पत्नी जैकलीन, टेक्सास के गवर्नर जॉन कोनली और कोनली की पत्नी नेली के साथ खुली कार में शहर से गुजर रहे थे। तभी गोलियां चलीं। काफिला पार्कलैंड मेमोरियल अस्पताल पहुंचा, जहां गोलीबारी के करीब 30 मिनट बाद कैनेडी को मृत घोषित कर दिया गया; हमले में कॉनली भी घायल हुए थे। उपराष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन ने दो घंटे और आठ मिनट बाद डलास लव फील्ड में एयर फोर्स वन में राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। पुलिस ने ली हार्वे ओसवाल्ड को गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया।

हमारा सबसे बड़ा डर सच हो गया: गाजा में एयर स्ट्राइक पर इजरायली बंधकों के परिजन

एजेंसी

तेल अवीव । गाजा में इजरायल के हवाई हमलों ने जीवित बंधकों के परिवारों की उम्मीदों को तोड़ दिया है। परिजनों का कहना है कि इजरायली मिलिट्री एक्शन से उनका सबसे बड़ा डर सच साबित हुआ है। मंगलवार तड़के बड़े पैमाने पर की गई एयर स्ट्राइक में सैकड़ों फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजरायल अब से हमास के खिलाफ अधिक सैन्य ताकत से कार्रवाई करेगा। पीएमओ के बयान में हमास पर बंधकों को रिहा करने से बार-बार इनकार करने और युद्धविराम को बढ़ाने के प्रस्तावों को अस्वीकार करने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बंधकों और लापता परिवारों के फोरम की ओर से जारी बयान में कहा गया, ÷परिवारों, अपहृत लोगों और इजरायल के नागरिकों का सबसे बड़ा डर सच हो गया है। इजरायली सरकार ने बंधकों को उनके हाल पर छोड़ने का फैसला किया। बयान में इस बात पर हैरानी और गुस्सा जताया गया कि हमारे प्रियजनों को वापस लाने की प्रक्रिया को जानबूझकर खत्म किया जा रहा है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, बंदी सैनिक निम्रोद कोहेन के पिता येहुदा कोहेन ने कहा, नेतन्याहू अपनी सत्ता को बचाए रखने के लिए एक बार फिर मेरे बेटे सहित बंधकों को खत्म करने और उनकी हत्या करने के लिए काम कर रहे हैं। बंधक ओमरी मीरान के पिता दानी मीरान ने कहा कि वे नए हमले के बारे में सुनकर डर गए। उन्होंने कहा, आज, मैं पहले से कहीं ज़्यादा चिंतित हूं, मुझे लग रहा था कि मेरा बेटा एक हफ्ते में आजाद हो जाएगा। उन्होंने बताया कि [युद्धविराम पर बातचीत के लिए] एक प्रतिनिधिमंडल भेजा गया है।

जाफर ट्रेन अपहरण के बाद बलूचिस्तान और केपी में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों में सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ लक्षित आतंकवादी हमलों में तेजी देखी जा रही है। हालांकि पिछले 24 घंटों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में कई आतंकवादी हताहत भी हुए।

हमलों का यह ताजा सिलसिला बोलन दर्रे में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सदस्यों द्वारा जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन अपहरण के बाद शुरू हुआ है। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 26 बंधकों की हत्या कर दी गई थी। दो दिन के ऑपरेशन के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी भी शहीद हो गए।नवीनतम जानकारी के अनुसार, केपी और बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों से ताजा झड़पों की सूचना मिली है। पुलिस अधिकारियों, कांस्टेबलों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य लोगों पर घात लगाकर हमले किए गए।पुलिस सूत्रों ने कहा कि केपी प्रांत में विभिन्न हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि कम से कम छह आतंकवादी मारे गए।केपी के बन्नू शहर में हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने लोअर हेड कांस्टेबल (एलएचसी) को निशाना बनाया, जब वह मीरानशाह रोड पर ड्यूटी पर था। हमले में कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि हमलावर मौके से भाग निकले।केपी पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के कमांडो ने बन्नू में एक ऑपरेशन (आईबीओ) के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया। केपी के लक्की मरवत इलाके में पुलिस कर्मियों ने सराय गाम्बिला में एक पुलिस स्टेशन पर आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया।केपी पुलिस ने दो दिन के अभियान के बाद कुर्रम पार के पहाड़ी इलाके में आतंकवादियों के कई ठिकानों को भी नष्ट कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दादिवाला पुलिस स्टेशन और अब्बास खट्टक पुलिस चौकी पर आतंकवादी हमले के बाद यह अभियान शुरू हुआ। इसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों और पुलिस अधिकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं और भीषण गोलीबारी हुई। झड़पों में एक आतंकवादी मारा गया। खैबर जिले में सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए। बलूचिस्तान के खुजदार में ग्रेनेड हमले में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि ग्रेनेड एक घर के अंदर फटा, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के पिता और उसके भाइयों के चार बच्चे घायल हो गए। घटना में घर के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

गाजा में 400 से अधिक लोगों की मौत, इजरायली हमलों ने मचाई तबाही

एजेंसी

गाजा। गाजा में इजरायली हवाई हमलों ने भारी तबाही मचाई है। घातक बमबारी में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। इस बीच इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) और इजरायल सुरक्षा एजेंसी (शिन बेट) ने एक संयुक्त बयान में कहा कि गाजा पट्टी में आतंकवादी ठिकानोंपर उनके हमले जारी है। यहूदी राष्ट्र की इस मिलिट्री कार्रवाई से युद्धविराम समझौते के पूरी तरह टूटने का खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक एक दिन में सबसे बड़ी संख्या में 404 लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय ने कहा कि मरने वालों में कई बच्चे शामिल हैं। हमलों में 562 लोग घायल हुए हैं। हमलें शुरू होने के बाद आईडीएफ ने नए निकासी आदेश जारी किए। लोगों को बेत हनून, खुज़ा, और अबासन अल-कबीरा और अल-जदीदा के क्षेत्रों को छोड़ने के लिए कहा जा रहा है। एक आईडीएफ प्रवक्ता ने एक्स पर कहा, उन्हें पश्चिमी गाजा शहर और खान यूनिस में शेल्टर में तुरंत चले जाना चाहिए। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजरायल हमास के खिलाफ सैन्य ताकत बढ़ाकर कार्रवाई करेगा।% बयान में उस पर बंधकों को रिहा करने से इनकार करने और युद्धविराम को आगे बढ़ाने के प्रस्तावों को अस्वीकार करने का आरोप लगाया। वहीं हमास ने इजरायल पर रक्षाहीन नागरिकों पर हमला करने का आरोप लगाया। फिलिस्तीनी ग्रुप ने कहा कि मध्यस्थों को युद्धविराम का उल्लंघन करने और उसे पलटने के लिए इजरायल को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चश्मदीदों ने बताया कि हवाई हमलों में गाजा पट्टी के उत्तर से दक्षिण तक के नागरिकों के घर और शिविरों को नुकसान पहुंचा और इजरायली टैंकों ने सीमा रेखा पार कर क्षेत्र में गोलाबारी की। गाजा में इजरायल के हवाई हमलों ने जीवित बंधकों के परिवारों की उम्मीदों को तोड़ दिया है। परिजनों का कहना है कि इजरायली मिलिट्री एक्शन से उनका सबसे बड़ा डर सच साबित हुआ है। बंधकों और लापता परिवारों के फोरम की ओर से जारी बयान में कहा गया, परिवारों, अपहृत लोगों और इजरायल के नागरिकों का सबसे बड़ा डर सच हो गया है। इजरायली सरकार ने बंधकों को उनके हाल पर छोड़ने का फैसला किया। बयान में इस बात पर हैरानी और गुस्सा जताया गया कि ÷हमारे प्रियजनों को वापस लाने की प्रक्रिया को जानबूझकर खत्म किया जा रहा है। इजरायल ने सैनिक कार्रवाई से पहले अमेरिका से भी चर्चा की थी, यह खुलासा खुद व्हाइट हाउस ने किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन से की बात, रूस-यूक्रेन युद्धविराम पर समझौते का संकेत

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने को लेकर फोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद फोन वार्ता के बारे में जानकारी दी। ट्रंप ने कहा कि यह बातचीत बहुत अच्छी और प्रोडक्टिव रही। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों नेताओं ने ऊर्जा और बुनियादी ढांचे पर तत्काल सीजफायर (युद्धविराम) पर सहमति जताई। ट्रंप ने बताया कि इस समझौते के तहत, वे पूरी तरह से युद्धविराम और अंततः रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे इस भयंकर युद्ध को समाप्त करने की दिशा में तेजी से काम करेंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अगर मैं राष्ट्रपति होता तो यह युद्ध कभी नहीं शुरू होता। ट्रंप के मुताबिक, शांति समझौते के कई महत्वपूर्ण तत्वों पर चर्चा की गई,

जिसमें यह भी बताया गया कि हजारों सैनिकों की जान जा चुकी है और दोनों देशों के नेता (राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की) युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। ट्रंप ने इस प्रक्रिया को पूरी ताकत के साथ लागू होने की बात कही और उम्मीद की कि यह युद्ध मानवता के हित में समाप्त हो जाए। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक घंटे से अधिक समय तक फोन पर बातचीत हुई। इससे पहले व्हाइट हाउस ने कहा कि बातचीत अच्छी चल रही है। कॉल का विवरण बाद में जारी किया जाएगा। युद्धविराम को लेकर कीव ने पहले ही योजना को अपनी स्वीकृति दे दी है। पुतिन ने सैद्धांतिक रूप से इसका समर्थन किया है, लेकिन कुछ शर्तें रखी हैं, मुख्य रूप से, यूक्रेन युद्धविराम का उपयोग सैनिकों को जुटाने या प्रशिक्षित करने या सैन्य सहायता प्राप्त करने के लिए नहीं करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार देर रात फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो निवास से वाशिंगटन डी.सी. वापस जाते समय कॉल करने की अपनी योजना की घोषणा की थी। यह कॉल पिछले सप्ताह मॉस्को में ट्रंप के पश्चिम एशिया दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुई बातचीत के बाद की गई है। विटकॉफ ने कहा है कि यह बैठक तीन से चार घंटे तक चली।

स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का 'फ्रेंच कनेक्शन': फ्रांसीसी नेता ने अमेरिका से वापस मांगी प्रतिमा, ट्रंप प्रशासन ने सुनाई खरी-खरी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका ने फ्रांसीसी नेता राफेल ग्लक्समैन के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी को फ्रांस को वापस कर देना चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने उनकी टिप्पणियों को अनुचित और राजनीति से प्रेरित बताया। सेंटर-लेफ्ट नेता ग्लक्समैन ने हाल ही में कहा कि फ्रांस को प्रतिष्ठित प्रतिमा वापस ले लेनी चाहिए, उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिका ने उन मूल्यों को बरकरार नहीं रखा है, जिन्होंने फ्रांस को स्मारक उपहार में देने के लिए प्रेरित किया।ग्लक्समैन की टिप्पणियों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, [विशेष रूप से वैज्ञानिक स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संबंध में], की सीधी आलोचना के रूप में देखा गया। ग्लक्समैन ने कहा, हम अत्याचारियों का साथ देने वाले और वैज्ञानिक स्वतंत्रता की मांग करने वाले को बर्खास्त करने वाले अमेरिकियों से कहेंगे कि हमें स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी वापस दे दो। हमने इसे आपको एक उपहार के रूप में दिया था, लेकिन जाहिर है, आप इसे तुच्छ समझते हैं। इसलिए यह फ्रांस में अपने घर पर ठीक रहेगा। फ्रेंच नेता के इस बयान पर व्हाइट हाउस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस मांग को सिरे से खारिज करते हुए ग्लक्समैन की राजनीतिक हैसियत का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, ÷बिल्कुल नहीं। और उस अनाम निम्न-स्तरीय फ्रांसीसी राजनीतिज्ञ को मेरी सलाह होगी कि उन्हें याद दिलाया जाए कि यह केवल संयुक्त राज्य अमेरिका की वजह से है कि फ्रांसीसी अभी जर्मन नहीं बोल रहे हैं। इसलिए उन्हें हमारे महान देश का बहुत आभारी होना चाहिए।

पाक-अफगान सीमा विवाद - नहीं खुली तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग, दूसरे दौर की वार्ता रही बेनतीजा

एजेंसी

इस्लामाबाद । अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग नहीं खुल सकी। दोनों पक्षों के धार्मिक, राजनीतिक और जनजातीय समुदाय के बुजुर्गों के बीच दूसरे दौर की वार्ता नाकाम रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विवादित सीमा के करीब अफगान बलों के निर्माण कार्य शुरू करने से तनाव बढ़ा था जिसके कारण क्रॉसिंग लगभग एक महीने से बंद थी।

हालांकि मगंलवार को इसके खुलने की पूरी उम्मीद थी क्योंकि दोनों पक्षों ने बातचीत के बाद, तोरखम व्यापार मार्ग को सभी प्रकार की आवाजाही के लिए खोलने फैसला किया था। तोरखम बॉर्डर पर 4 मार्च को स्थिति तब गंभीर हो गई जब क्रॉसिंग को फिर से खोलने के लिए बातचीत नाकाम हो गई, जिसके कारण पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और

अफगान तालिबान लड़ाकों के बीच गोलीबारी हुई। हिंसक झड़प के कारण सीमा के पास कई सशस्त्र बलों के कर्मियों और नागरिकों की मौत हो गई। इस बीच, बुधवार की सुबह दोनों पक्षों के सीमा सुरक्षा अधिकारियों की बैठक हुई जिसमें सीमा को फिर से खोलने के बारे में चर्चा की गई। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सैयद जवाद हुसैन काजमी ने कहा कि बैठक के दौरान अफगान टीम ने काबुल में उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी लेने के लिए समय मांगा।काजमी ने देश के प्रमुख दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' को बताया, 'हम अभी भी अफगानों के संपर्क का इंतजार कर रहे हैं, इसके चलते तोरखम सीमा को फिर से खोलने में देरी हुई है।' अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे महत्वपूर्ण क्रॉसिंग में से एक तोरखम से दोनों देशों के बीच सबसे ज्यादा व्यापार और आवाजाही होती है।लंबे समय तक बंद रहने के कारण दोनों पक्षों के व्यापारियों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि सीमा के 24 दिनों तक बंद रहने के दौरान ट्रांजिट ट्रेड सहित सभी तरह के व्यापार ठप रहे। बंद रहने के कारण राष्ट्रीय खजाने को कुल 72 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ

तोरखम मार्ग पर एक ड्राइवर मोहम्मद गुल ने प्रमुख अफगान मीडिया आउटलेट टोलोन्यूज को बताया, ÷यहां सैकड़ों मालवाहक ट्रक फंसे हुए हैं। कुछ सामान पहले ही खराब हो चुका है, जिससे व्यापारियों को वित्तीय नुकसान हो रहा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सरकारों को इस समस्या का समाधान ढूंढना चाहिए।'

शांति चाहते हैं लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता से नहीं कर सकते समझौता : यूक्रेनी विदेश मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे संघर्ष को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय एकता की जोरदार अपील की। नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित रायसीना डायलॉग 2025 में बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि कीव मॉस्को के साथ विवाद का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है लेकिन वह अपनी क्षेत्रीय अखंडता से समझौता नहीं करेगा।सिबिहा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ...हमें क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने के लिए वैश्विक समर्थन और वैश्विक एकता की आवश्यकता है... हम बिना शर्त युद्ध विराम के लिए सहमत हुए हैं। इसलिए, अब अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए रूसी पक्ष से बिना शर्त जवाब मिलना महत्वपूर्ण है। यूक्रेनी पक्ष तैयार है। हम इस साल इस युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं... रायसीना डायलॉग का आयोजन विदेश मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) मिलकर करते हैं। इसका आयोजन सिंगापुर में होने

वाले शांगरी-ला डायलॉग की तर्ज पर आयोजित किया जाता है। शांगरी-ला डायलॉग में रक्षा मंत्री शामिल होते हैं जबकि रायसीना में विदेश मंत्रियों की बैठक होती है। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि प्रस्तावित युद्धविराम पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत के बाद स्थिति साफ हो सकती है। दोनों नेताओं के बीच मंगलवार देर शाम बातचीत होने वाली है।इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें रूस युद्ध को समाप्त करने का एक अच्छा मौका दिखाई दे रहा है। कीव की ओर से 30-दिवसीय अंतरिम युद्धविराम के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद उनका यह बयान आया। हालांकि अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव पर रूस की स्थिति स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रस्ताव का सैद्धांतिक समर्थन किया लेकिन साथ ही कुछ स्पष्टीकरण की मांग की और कुछ शर्तें भी रख दीं।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जून में रूस का करेंगे दौरा

इंडोनेशिया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो जून में रूस का दौरा करेंगे, जहां वे यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू) के देशों और इंडोनेशिया के बीच एक

मुक्त व्यापार क्षेत्र के निर्माण पर एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इंडोनेशिया के अर्थव्यवस्था मंत्री एयरलांगा हार्टार्टो ने यह जानकारी दी। श्री सुबियांटो के साथ एक बंद बैठक के बाद इंडोनेशियाई समाचार पोर्टल 'टेम्पो' ने हार्टार्टो के हवाले से कहा, राष्ट्रपति जून में रूस का दौरा करेंगे। मुझे उम्मीद है कि इस यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। हार्टार्टो ने कहा कि रूस और इंडोनेशिया 14-15 अप्रैल को जकार्ता में व्यापार, आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर संयुक्त आयोग की बैठक आयोजित करेंगे।

9 महीने 14 दिन बाद मुस्कान के साथ घर लौटीं सुनीता विलियम्स, अंतरिक्ष से धरती का सफर रहा रोमांचक

एजेंसी

फ्लोरिडा । भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स आखिरकार 9 महीने 14 दिन बाद पृथ्वी पर लौट आई हैं। उनके साथ NASA के तीन अन्य एस्ट्रोनॉट्स–बुच विल्मोर, निक हेग और अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी सफलतापूर्वक लौटे। चारों अंतरिक्ष यात्रियों का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार 19 मार्च को सुबह 3÷27 बजे फ्लोरिडा के तट पर लैंड हुआ। 17 घंटे का रोमांचक सफर, 1650एष्ट का जबरदस्त तापमान18 मार्च की सुबह 10:35 बजे स्पेसक्राफ्ट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) से अलग हुआ था। पृथ्वी पर लौटने की प्रक्रिया के दौरान, जब यह वायुमंडल में प्रवेश कर रहा था, तो स्पेसक्राफ्ट का बाहरी तापमान 1650 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा पहुंच गया। इस दौरान करीब 7 मिनट तक कम्युनिकेशन ब्लैकआउट रहा, यानी अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह ग्राउंड टीम से कट गए थे। रात 2:41 बजे 'डीऑर्बिट बर्न' शुरू किया गया, यानी स्पेसक्राफ्ट के इंजन को कक्षा से उल्टी दिशा में फायर किया गया, जिससे उसकी स्पीड धीमी हुई और वह पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर सका। अंततः सुबह 3:27 बजे यह फ्लोरिडा के तट के पास समुद्र में सुरक्षित लैंड कर गया। सुनीता विलियम्स के लिए ऐतिहासिक

मिशनसुनीता विलियम्स ने अपने इस मिशन के दौरान कई अहम प्रयोग किए और स्पेस स्टेशन पर महत्वपूर्ण रिसर्च में योगदान दिया। 9 महीने तक अंतरिक्ष में रहने के बाद उनकी वापसी एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। सुनीता का यह मिशन न केवल विज्ञान के लिहाज से बल्कि अंतरिक्ष यात्रियों के दीर्घकालिक मिशनों की संभावनाओं के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी वापसी से [illegible] और अंतरिक्ष प्रेमियों के बीच जबरदस्त उत्साह है।वापसी के बाद, चारों एस्ट्रोनॉट्स की मेडिकल जांच की जा रही है। लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने के कारण उनका शरीर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार खुद को फिर से ढालने में कुछ दिन ले सकता है। लेकिन एक बात तय है–सुनीता विलियम्स की यह वापसी न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे भारत-अमेरिका के लिए गर्व का पल है!

स्थानीय समाचार

प्रथम सीमा बटालियन मुख्यालय अंब घरोटा जम्मू में योग सत्र आयोजित किया गया

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए पहली सीमा बटालियन ने जम्मू के अंब घरोटा में अपने बटालियन मुख्यालय में एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया।

इस आयोजन में 50 कर्मियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई जो इकाई के भीतर समग्र स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

योग सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन, फोकस में सुधार और आंतरिक संतुलन प्राप्त करने के लिए प्रभावी तकनीकों से लैस करना था। कार्डियोवास्कुलर योग अभ्यासों की एक श्रृंखला के माध्यम से, सत्र में हृदय रोग, कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के खतरों को कम करने पर जोर दिया गया साथ ही विभिन्न बीमारियों से लड़ने के लिए प्रतिरक्षा का निर्माण भी किया गया।

कार्यक्रम को कर्मियों की शारीरिक शक्ति और लचीलेपन को बढ़ाने, उनकी सांस लेने की तकनीक में सुधार करने और मानसिक स्पष्टता और ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

इसके अतिरिक्त, तनाव को प्रबंधित करने और अस्थमा, मोटापा, मधुमेह, अवसाद, चिंता और सिरदर्द जैसी तनाव से संबंधित स्वास्थ्य स्थितियों पर काबू पाने में प्रतिभागियों की सहायता के लिए ध्यान सत्र शामिल किए गए थे।

पहली सीमा बटालियन में योग सत्र कर्मियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन में सुधार, बल के भीतर लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता

जम्मू के भारत नगर में मैकडैमाइजेशन कार्य की शुरुआत की

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने बुधवार को भारत नगर, वार्ड नंबर 40 में मैकडैमाइजेशन और ब्लैकटॉपिंग कार्य की शुरुआत की जिसमें कबीर कॉलोनी और विजय नगर सहित इसके संबद्ध लिंक शामिल हैं जिसकी अनुमानित लागत 22 लाख रुपये है। यह पहल व्यापक बुनियादी ढांचा विकास योजना का हिस्सा है जिसका उद्देश्य सड़क संपर्क में सुधार करना और जम्मू पश्चिम के निवासियों के लिए बेहतर नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि कई विकास परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं और निर्वाचन क्षेत्र में समग्र बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि जम्मू पश्चिम का कोई भी क्षेत्र विकास के मामले में पीछे नहीं रहेगा क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार जनता की शिकायतों को दूर करने और लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हमेशा नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर वार्ड में गुणवत्तापूर्ण सड़कें, आधुनिक सुविधाएं और समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। उन्होंने लोगों से फीडबैक देकर और तत्काल ध्यान देने की जरूरत वाले स्थानीय मुद्दों को उजागर करके विकास प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। विधायक अरविंद ने दोहराया कि विकास की गति जारी रहेगी और आश्वासन दिया कि आने वाले महीनों में हर वार्ड में महत्वपूर्ण सुधार होंगे।

राजौरी में वीरता पुरस्कार विजेता द्वारा प्रेरक वार्ता का आयोजन किया

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। युवा छात्रों को सशस्त्र बलों में शामिल होने और देशभक्ति को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करने के प्रयास में भारतीय सेना ने राजौरी के समोटे में वीरता पुरस्कार विजेता द्वारा प्रेरक वार्ता का आयोजन किया। सम्मानित सैनिक ने बहादुरी और अटूट वीरता के अपने पहले अनुभव साझा किए, राष्ट्र की रक्षा करते हुए भारतीय सेना के कर्मियों द्वारा दिखाए गए समर्पण और साहस की कहानियाँ सुनाईं। उनकी यात्रा और जीवन के अनुभवों ने छात्रों को गहराई से प्रभावित किया, उन्हें कड़ी मेहनत करने, चुनौतियों पर काबू पाने और सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में 46 छात्रों (30 लड़के और 16 लड़कियाँ) और एचएसएस, समोटे के दो शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संवादात्मक सत्र ने युवा उपस्थित लोगों में देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित करते हुए गहरा प्रभाव छोड़ा। छात्रों और शिक्षकों ने युवाओं को राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली ऐसी सार्थक पहल के आयोजन के लिए भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया

जम्मू-कश्मीर की राज्य की बहाली के लिए विरोध रैली निकाली

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। मिशन स्टेटहुड के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने जम्मू-कश्मीर रियासत डोगरा राज्य की बहाली के साथ-साथ अनुच्छेद 370 और विशेष दर्जे की बहाली की मांग को लेकर विरोध रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से जम्मू-कश्मीर के लोग, खासकर युवा, गरीबी, बेरोजगारी और बिगड़ती जीवन स्थितियों का सामना कर रहे हैं। सभा को संबोधित करते हुए डिंपल ने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से चुनाव घोषणापत्र में राज्य के दर्जे और अनुच्छेद 370 की मांगों पर समझौता न करने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि मिशन स्टेटहुड अपना संघर्ष जारी रखेगा, यहां तक कि अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर समानांतर सभा भी चलाएगा। डिंपल ने चेतावनी दी कि जम्मू डोगरा अपनी पहचान, विलय के साधन और महाराजा हरि सिंह द्वारा अनुच्छेद 370 और 35-ए के तहत दिए गए अधिकारों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने निर्वाचित सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि राज्य का दर्जा न होने के कारण मुख्यमंत्री और मंत्रियों को भी फैसले लेने के लिए केंद्र सरकार पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने भाजपा विधायकों पर गैरजिम्मेदाराना तरीके से काम करने का आरोप लगाया और कहा कि वे कभी भी डोगरा राज्य की बहाली की मांग नहीं उठाते और विधानसभा सत्रों में अपरिपक्व व्यवहार करते हैं। डिंपल ने तत्काल राज्य का दर्जा बहाल करने, बिजली बिल माफ करने, 200 मुफ्त बिजली यूनिट, दोगुना राशन, सभी नागरिकों के लिए 12 एलपीजी सिलेंडर और 1 अप्रैल से दरबार मूव को फिर से शुरू करने की भी मांग की। डिंपल ने आगे आरोप लगाया कि निरस्तीकरण के बाद जम्मू और कश्मीर में बड़ी बिक्री हो रही है, जिसमें 200 बाहरी निवेशकों को लाखों कनाल भूमि आवंटित की गई है जो क्षेत्र की जनसांख्यिकी के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है। उन्होंने दावा किया कि जेडीए और आवास विभाग ने गैर-निवासियों को फ्लैट बेचे हैं जिससे इस जनसांख्यिकीय बदलाव को बढ़ावा मिला है। भाजपा पर ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह जम्मू-कश्मीर को लूटने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने के बाद बाहरी माफियाओं ने शराब और खनन कारोबार पर कब्जा कर लिया है जबकि बिजली परियोजनाएं बेच दी गईं और ऐतिहासिक दरबार मूव को रोक दिया गया। डिंपल ने मांग की कि एलजी मनोज सिन्हा और उमर अब्दुल्ला इस अप्रैल में दरबार मूव को तुरंत फिर से शुरू करें।

गैंदा की खेती

गेंदा की खेती हमारे देश में लगभग हर क्षेत्र में की जाती है । यह बहुत महत्तवपूर्ण फूल की फसल है। क्योंकि इसका उपयोग व्यापक रूप से धार्मिक और सामाजिक कार्यों में किया जाता है। गेंदे की खेती व्यवसायिक रूप से केरोटीन पिगमेंट प्राप्त करने के लिए भी की जाती है। इसका उपयोग विभिन्न खाद्य पदार्थों में पीले रंग के लिए किया जाता है। गेंदा के फूल से प्राप्त तेल का उपयोग इत्र तथा अन्य सौन्दर्य प्रसाधन बनाने में किया जाता है। साथ ही यह औषधीय गुण के रूप में पहचान रखता है। कुछ फसलों में कीटों के प्रकोप को कम करने के लिए फसलों के बीच में इसके कुछ पौधों को लगाया जाता है।

कम समय के साथ कम लागत की फसल होने के कारण यह काफी लोकप्रिय फसल बन गई है। गेंदा के फूल आकार और रंग में आकर्षक होते हैं। इसकी खेती आसान होने के कारण इसे व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। आकार और रंग के आधार पर इसकी दो किस्में होती हैं– अफ्रीकी गेंदा और फ्रैंच गेंदा। इसके प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रा प्रदेश, तामिलनाडू और मध्य प्रदेश है। यदि उत्पादक बंधु गेंदा की खेती वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर करें, तो इसकी फसल से उत्तम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में गेंदा की उन्नत खेती कैसे करें की विस्तृत जानकारी का उल्लेख किया गया है।

खेत की तैयारी

गेंदा की खेती के लिए पौध की रोपाई के लगभग 15 दिन पहले भूमि की मिट्टी पलटने वाले हल से दो से तीन बार अच्छी तरह जुताई कर ले तथा मिट्टी में 30 टन प्रति हैक्टेयर की दर से अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद मिला देनी चाहिए। क्यारीयों की चौड़ाई एवं लम्बाई सिंचाई के साधन एवं खेत के आकार पर निर्भर करती है। खेत समतल होने पर क्यारीयां लम्बी एवं चौड़ी बनानी चाहिए, लेकिन खेत नीच ऊंच होने पर क्यारी का आकार छोटा रखना चाहिए। लेकिन दो क्यारियों के बीच में 1 से 1.5 फीट चौड़ा मेड़ रखनी चाहिए।

उन्नत प्रजातियाँ

गेंदा पुष्प उत्पादन के दृष्टिकोण से अफ्रिकन गेंदा और फ्रेंच गेंदा दो प्रकार की किस्में प्रचलित है, जैसे–

अफ्रिकन गेंदा– अफ्रिकन गेंदे के पौधे 90 से 95 सेंटीमीटर तक लम्बे तथा बड़ी-बड़ी शाखाओं वाले होते है। फूलों का रंग पीला, सुनहरा पीला, नारंगी आदि होता है। इसकी प्रचलित व्यवसायिक किस्में इस प्रकार है, जैसे–

बड़े फूलों वाली– पूसा नारंगी गेंदा, पूसा वसन्ती गेंदा, पूसा बहार, यलो सुप्रीम, क्लाईमैक्स, जीनिया गोल्ड, गोल्ड काँचन, सन जाइंट समाइलस और मैन इन दी मून आदि प्रमुख है।

मध्यम आकार के फूलों वाली– जुवलो सीरिज, हैप्पी फेस, गोल्ड जैलोट और लोडी आदि प्रमुख है।

छोटे आकार के फूलों वाली– स्पेस राज सीरिज, अपोलो मून शोट, मैरीनेट, जिरेंक, गोल्डन रे, स्पन पीला, क्यूपिड, हैप्पीनेस और डोली आदि प्रमुख है।

फ्रेंच गेंदा– फ्रेंच गेंदे के पौधे अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा छोटे होते हैं। इस प्रजाती के पौधे की वृद्धि तीव्र गति से होती है। इस कारण यह फसल अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा शीघ्र तैयार हो जाती है। फ्रेंच गेंदे के फूल विभिन्न आकर्षक रंगो जैसे पीला, संतरी, भूरा, महारानी, दोरंगा तथा कई रंगो के मिश्रण आदि में पाए जाते है। फ्रेंच गेंदे की किस्मों को पौधों की ऊँचाई के आधार पर विभक्त किया जाता है, जैसे–

छोटे पौधे वाली– पूसा अर्पिता, फ्लैम, फ्लेमिंग फायर डबल और रस्टी रैड आदि प्रमुख है।

सबसे छोटे पौधे वाली– इस वर्ग में पिटाइट सीरिज की किस्में जो आमतौर पर 15 सेंटीमीटर तक बढ़ती है, जैसे– गोल्ड, जिप्सी, ओरेंज फ्लैम, डैन्टी मरीटा, स्टार ऑफ इण्डिया व टीना में इकहेर फूल आते है।

एफ 1 हाइब्रिड– अपोलो, क्लाइमैक्स, फस्ट लेडी, गोल्ड लेडी, ओरेंज लेड़ी, इन्का येलो, इन्का गोल्ड और इन्का ओरेंज आदि प्रमुख है।

बुवाई का समय

गर्मी के मौसम का गेंदा पुष्पोत्पादन करने हेतु फरवरी माह के दूसरे सप्ताह तथा वर्षा ऋतु के समय पुष्पोत्पादन हेतु जून के पहले सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। सर्दी के मौसम का पुष्पोत्पादन हेतु सितम्बर माह के दूसरे सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। नर्सरी में बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है।

नर्सरी तैयार करना

गेंदा की पौध तैयार करने के लिए सामान्य तौर पर 1 मीटर चौड़ा तथा 15 से 20 सेंटीमीटर जमीन को सतह से ऊंची क्यारी बनाते हैं। दो क्यारियों के बीच में 30 से 40 सेंटीमीटर का फासला छोड़ देते हैं, जिससे सुगमतापूर्वक नर्सरी में खरपतवार निकाई तथा क्यारी से पौधों को रोपण हेतु निकाला जा सके नर्सरी की क्यारी की मिट्टी अच्छी तरह भुरभुरी करके मिट्टी में सड़ी हुई गोबर की खाद 10 से 12 किलोग्राम प्रति वर्गमीटर के दर से मिला देते हैं।

यदि बलुई दोमट मिट्टी न हो तो क्यारी में आवश्यकतानुसार बालू की मात्रा भी मिला देते हैं। क्यारी में बीज की बुवाई से पहले 2 ग्राम कैप्टान प्रति लीटर पानी में घोल कर सभी क्यारियों में डेंच कर देना चाहिए, इससे नर्सरी में कवक का प्रकोप कम हो जाता है। जिसके कारण बीज के अंकुरण के बाद पौधों की मृत्यु दर कम हो जाती है। क्यारी में बीज की बुवाई दो पंक्तियों के बीच में 6 से 8 सेंटीमीटर का फासला रखते हुए 1.5 से 2 सेंटीमीटर की गहराई पर करनी चाहिए।

पंक्तियों में बीज पास-पास नहीं रखना चाहिए क्योंकि पास-पास बीज की बुवाई करने से पौध कमजोर हो जाती है। जिससे पुष्प उत्पादन भी कम होता है। बीज की बुवाई के बाद सड़ी पत्ती की खाद या बालू की पतली परत क्यारी के उपर बिछा देना चाहिए। ऐसा करने से क्यारी में नमी बनी रहती है और बीज का अंकुरण भी अधिक होता है। क्यारियों में गर्मी के मौसम में सुबह-शाम तथा सर्दी एवं बरसात के मौसम में सुबह पानी प्रतिदिन फुहारा से देना चाहिए।

पौध रोपण

नर्सरी में गेंदा बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है। अफ्रीकन गेंदा 40 × 40 सेंटीमीटर तथा फ्रेंच 30 × 30 सेंटीमीटर पौध से पौध एवं पंक्ति से पंक्ति के फांसले पर तथा 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर रोपना चाहिए। पौध रोपण गर्मी के मौसम में सांयकाल तथा सर्दी एवं बरसात में पूरे दिन किया जा सकता है। पौध रोपण के समय यदि पौध लम्बा हो गया हो तो लगाने से पहले उसका शीर्षनोचन कर देना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की सड़ी खाद 250 से 300 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की दर से डालना चाहिए। इसके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों द्वारा 200 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर नत्रजन और 80 किलोग्राम फास्फोरस एवं 80 किलोग्राम पोटाश देने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है। फास्फोरस एवं पोटाश को पूरी मात्रा हेतु सिंगल सुपरफास्फेट तथा म्यूरेट आफ पोटाश को क्यारियों की तैयारी के समय मिट्टी में मिला देना चाहिए। नत्रजन की मात्रा को तीन बराबर भाग में बांट कर एक भाग क्यारीयों की तैयारी के समय एवं दो भाग पौध रोपण से 30 एवं 50 दिन पर यूरिया या कॅल्शियम अमोनियम नाइट्रेट उर्वरक द्वारा देना चाहिए।

सिंचाई प्रबंधन

गेंदा की खेती में पौधों की बढ़वार एवं पुष्पोत्पादन में सिंचाई का विशेष महत्व है। सिंचाई के पानी का पी एच मान 6.5 से ।.5 तक लाभकारी पाया गया है। पौध रोपण के तुरन्त बाद सिंचाई खुली नाली विधि से की जाती है। मृदा में अच्छी नमी होने से जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है और पौधों को मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्व उचित मात्रा में मिलता रहता है। शुष्क मौसम में सिंचाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गर्मी में 5 से 6 दिन तथा सर्दी में 8 से 10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए। क्यारियों में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए। बरसात में अत्याधिक पानी की निकासी के लिए जल निकास नाली पहले से तैयार रखनी चाहिए।

खरपतवार जब छोटा रहे उसी समय खेत से बाहर निकाल देना चाहिए। गेंदा फसल की छोटी अवस्था में समय पर गुड़ाई करनी चाहिए। ऐसा करने से मिट्टी भुरभुरी बनी रहती हैं और जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है। मिट्टी की गुड़ाई बहुत गहरी नहीं करनी चाहिए।

शीर्षनोचन

प्रथम– शीर्षनोचन पौधा की फैलाव को बढ़ाने के लिए किया जाता है। शीर्षनोचन दो बार करने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता हैं। यदि पौध रोपण बिलम्ब से किया गया हो तो केवल प्रथम शीर्षनोचन करना चाहिए। प्रथम पौध रोपण के समय यदि पौधों का शीर्षनोचन न किया गया हो तो पौध लगाने के 12 से 15 दिन बाद उन प्रत्येक पौधा का शीर्षनोचन हाथ से करना चाहिए।

जिनकी लम्बाई जमीन की सतह से 15 सेंटीमीटर से अधिक हो गयी हो। शीर्षनोचन के समय यह ध्यान रखा जाता है, कि शीर्षनोचन के उपरान्त पौध पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियाँ बनी रहें। ऐसा करने से एक पौध पर 3 से 5 तक मुख्य शाखाएं आ जाती हैं। शाखाओं की संख्या बढ़ने पर पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है।

द्वितीय– प्रथम शीर्षनोचन जैसा ही द्वितीय शीर्षनोचन करते हैं। इसमें मुख्य शाखाएं जब 15 से 20 सेंटीमीटर लम्बी हो जाती हैं, उस समय हर शाखा पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियों छोड़कर शीर्षनोचन कर देते हैं।

रेड स्पाइडर माइट– माइट गेंदा की पत्तियों का रस चूस लेते हैं। जिससे पत्तियाँ हरे रंग से भूरे रंग में बदलने लगती हैं और पौधों की बढ़वार बिल्कुल रुक जाती है। इसका अत्याधिक प्रकोप होने पर पुष्पोत्पादन भी नहीं हो पाता, जो कलियां बनती भी हैं, वह खिल भी नहीं पाती हैं।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए हिल्फोल 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

एफिड्स– एफिड्स रस चूसने वाला कीट है। इनका प्रकोप गेंदा फसल की पत्तियों, टहनियों एवं पुष्प कलियों पर होता है। यह पौधे की वृद्धि को कम कर देता है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए मैलाथियान या इण्डोसल्फान का छिड़काव 2.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर करना चाहिए। लीफमाइनर– लीफमाइनर नर एवं मादा दोनों गेंदा फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। गेंदा में इसका प्रकोप होने पर पत्तियों में सफेद धारियां बन जाती हैं और पौधों की बढ़वार कम हो जाती है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए 1.5 से 2 मिलीलीटर इण्डोसल्फान प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

कैटरपिलर– कैटरपिलर हरा एवं भूरा काले रंग का कीट है। यह गेंदा फसल की पत्तियों, टहनियों एवं कलियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए 1.5 मिलीलीटर इण्डोसल्फान या मैलाथियान एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

रोग एवं रोकथाम

डैम्पिंग आफ– यह बीमारी राइजोकटोनिया सोलेनाई कवक का प्रकोप होने पर नर्सरी में होती हैं। इस बीमारी का प्रकोप होने पर नर्सरी में ही पौधों की मृत्यु हो जाती हैं। अधिकतर यह बीमारी नर्सरी में पौधों को बहुत अधिक पानी देने के कारण होती है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए क्यारीयों में बीज की बुवाई करने से पहले क्यारी में किसी भी कापर कवकनाशी (कैप्टान) का घोल (2.2 प्रतिशत सान्द्रता) का ड्रेच करना चाहिए या मिट्टी को फार्मल्डीहाइड नामक रसायन के घोल (2 प्रतिशत सान्दता) से संक्रमित कर देना चाहिए। इस बीमारी का प्रकोप होने के बाद निदान करना बहुत ही कठिन है।

फ्लावर बड़-रॉट– यह बीमारी अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्रों में देखी गई है। इस बीमारी से गेंदा फसल की कलियों पर ब्राउन धब्बे पड़ जाते हैं। इस प्रकार की कलियाँ पूर्ण रूप से खिल नहीं पाती हैं।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम- 45 का.2.2 प्रतिशत सान्द्रता के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

कालर रॉट, फूट रॉट एवं रूट रॉट– यह बीमारियों राइजोकटोनिया सोलेनाई , फाइटोप्थोरा स्पेशीज, पीथियम स्पेशीज़, इत्यादि कवकों के कारण होती है। कालर राट गेंदा फसल में किसी अवस्था में देखा जा सकता है। फूट रॉट एवं रूट रॉट अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्र में तथा क्यारी में अधिक पानी होने के कारण भी होता है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए नर्सरी की मिट्टी को बीज की बुवाई से पहले फार्मल्डीहाइड की घोल से संक्रमित करें, रोग रहित बीज का प्रयोग करें, रोगग्रसित पौधों को उखाड़ दें, बहुत घना नर्सरी या पौध रोपण न करें तथा बुवाई से पहले कैप्टान से बीज को उपचारित करें।

लीफ स्पाट– यह बीमारी अल्टरनेरिया टॅजेटिका कवक के प्रकोप होने पर गेंदा के पौधों पर देखि गई है। इस बीमारी से प्रभावित पौधों के पत्तियों के ऊपर भूरा गोल धब्बा दिखने लगता है, जो धीरे-धीरे पौधों की पत्तियों को खराब कर देता है।

रोकथाम– इस बीमारी की रोकथाम के लिए बाविस्टीन 1 से 1.5 ग्राम पाउडर प्रति लीटर पानी में घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

पाउडरी मिल्ड्यू– गेंदा में पाउडरी मिल्ड्यू ओडियम स्पेशीज और लेविल्लुला टैरिका कवकों के प्रकोप होने के कारण होता है। इस बीमारी में पौधों के पत्तियों के उपर सफेद पाउडर दिखाई देने लगता हैं। कुछ समय बाद पूरे पौधे पर सफेद पाउडर दिखने लगता है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए कैराथेन 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

विषाणु रोग– विषाणु पौधों की गुणवत्ता को धीरे धीरे कम कर देते हैं। गेंदा में कुकुम्बर मोजैक वाइरस का प्रकोप भी देखा गया है।

रोकथाम– विषाणु रोग के बचाव के लिए रोगग्रसित पौधों को समय-समय पर उखाड़ कर जमीन के अन्दर दबा दें या जला देना चाहिए।

पुष्पों की तुड़ाई

गर्मी के मौसम की फसल मई माह के मध्य से शुरु होकर बरसात के समय तक चलती है। लेकिन यह देखा गया है कि जून में सर्वाधिक पुष्प उत्पादन होता है। बरसात के मौसम की फसल में फूलों का उत्पादन सितम्बर मध्य से शुरु होकर लगातार दिसम्बर तक तथा सर्दी के मौसम की फसल जनवरी मध्य से शुरु होकर मार्च तक लगातार पुष्पोत्पादन होता रहता है।

गाय माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग तेज़, मूवमेंट कल्कि ने सरकार को घेरा

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। मूवमेंट कल्कि संगठन की ओर से आज एक अहम प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें संगठन के नेताओं ने सरकार पर गाय माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए ठोस कदम न उठाने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 150 दिन पूरे हो चुके हैं और यह मांग अब और तेज़ होती जा रही है। मूवमेंट कल्कि के संगठन मंत्री करनैल चंद ने सरकार को घेरते हुए कहा नेता अपनी तनख्वाह बढ़ाने के लिए एकजुट हो जाते हैं, लेकिन गाय माता के संरक्षण पर कोई चर्चा नहीं होती। पहले गौहत्या पर धारा 302 लागू थी, लेकिन अब तस्कर आसानी से छूट जाते हैं और उनमें कानून का कोई डर नहीं बचा है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन और बड़े स्तर पर किया जाएगा। मूवमेंट कल्कि के कानूनी सलाहकार एडवोकेट सोमेश्वर कोहली ने सरकार की दोहरी नीति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा दिल्ली में जब शंकराचार्य गाय माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग के लिए प्रदर्शन करने जा रहे थे, तब सरकार ने धारा 144 लगाकर उन्हें रोक दिया। लेकिन अन्य समुदायों को प्रदर्शन की छूट दी जाती है। यह उन करोड़ों सनातनियों के लिए तमाचा है, जिन्होंने सरकार को वोट देकर सत्ता सौंपी थी।

मूवमेंट कल्कि के बोर्ड मेंबर विक्रम महाजन ने सभी धर्मप्रेमियों से इस आंदोलन से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा हम 150 दिनों से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। हम तब तक संघर्ष जारी रखेंगे, जब तक गाय माता को राष्ट्र माता का दर्जा नहीं मिल जाता। यह केवल आंदोलन नहीं, बल्कि समाज सुधार का एक यज्ञ है। मूवमेंट कल्कि का कहना है कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगों पर सरकार कोई ठोस निर्णय नहीं लेती।

रविंदर रैना, चौधरी जुल्फकार अली ने काजीगुंड में गुज्जर बकरवाल पीड़ित परिवारों से मुलाकात की

काजीकुंड, 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रविंदर रैना ने चौधरी जुल्फकार अली के साथ काजीगुंड में गुज्जर बकरवाल पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कुलगाम फारूक राथर, वरिष्ठ नेता आबिद हुसैन, जिला अध्यक्ष अनंतनाग राकेश कौल, पिंका मलिक और कई अन्य पार्टी नेता भी उपस्थित थे।

रविंदर रैना ने कहा कि दुर्भाग्य से 3 युवक काफी समय से लापता थे जिनमें से 2 युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशासन को अभी भी सटीक घटना और तीसरे लापता व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने बताया कि शौकत बजाद और रियाज अहमद के शव तो मिल गए लेकिन तीसरा शख्स मुख्तार अहमद अभी भी लापता है।

रविंदर रैना ने पीड़ित परिजनों से बात करते हुए न्याय और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि एनसी सरकार को तीन लोगों के लापता होने की जांच में तेजी लाने के लिए कदम उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवा देश और समाज का भविष्य हैं और पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए प्रशासन को जरूरत पड़ने पर अधिक संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

चौधरी जुल्फकार अली ने प्रशासन द्वारा एक व्यवस्थित दृष्टिकोण का आह्वान किया जिसमें कानून प्रवर्तन एजेंसियों, स्थानीय अधिकारियों और जनता के बीच समन्वय शामिल हो। उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिया कि उन्हें जल्द ही राहत मुहैया करायी जायेगी।